RNI No: DELMUL/2012/47011

10 नई दिल्ली
मूल्य : 01 रुपए
अक्टूबर, 2026 पृष्ठ : 08
शनिवार वर्ष : 14
अंक : 191

अनोखे अंदाज और निराले तेवर के साथ इन्साफ की डगर

टाइम्स ऑफ़ पीडीया

www.timesofpedia.com
Email: timesofpedia@gmail.com

कपिल देव ने जब दाउद इब्राहीम को ड्रेसिंग रूम से डांटकर भगाया 07

नाना पाटेकर को शासकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई

पुलिस की सलामी के बीच पंचतत्व में विलीन हुए दिग्गज अभिनेता, राजनीतिक, सामाजिक और फिल्म जगत की हस्तियों ने दी श्रद्धांजलि

पुणे (एजेंसी)। दमदार संवाद अदायगी, सहज अभिनय और अपनी बेमिसाल शख्सियत से दशकों तक दर्शकों के दिलों पर राज करने वाले दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर को पुणे के पास डोणजे स्थित उनके फार्महाउस पर शासकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। पुलिस दल ने उन्हें सलामी देकर अंतिम सम्मान अर्पित किया। अपने प्रिय अभिनेता के अंतिम दर्शन के लिए डोणजे में लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। हर आंख नम थी और हर चेहरे पर नाना को खोने का दर्द साफ नजर आ रहा था।

नाना पाटेकर के निधन से मराठी और हिंदी फिल्म जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। उनके जाने के साथ ही अभिनय की एक ऐसी समृद्ध और प्रभावशाली यात्रा का अंत हो गया, जिसने कई पीढ़ियों के दर्शकों को अपनी अदाकारी से प्रभावित किया। नाना पाटेकर को गोवा के डोना पावला स्थित अपने निवास पर को अचानक दिल का दौरा पड़ा। तबीयत बिगड़ने पर उन्हें मणिपाल अस्पताल ले जाया गया। चिकित्सकों ने करीब 45 मिनट तक सीपीआर देकर उन्हें बचाने की पूरी कोशिश की, लेकिन उपचार के दौरान उनका निधन हो गया।

नाना पाटेकर का पार्थिव शरीर विमान से गोवा से पुणे लाया गया। पुणे हवाई अड्डे से पार्थिव शरीर को डोणजे स्थित फार्महाउस ले जाया गया। अंतिम दर्शन के लिए बड़ी संख्या में प्रशंसक और नागरिक वहां पहुंचे। अपने चहेते कलाकार को अंतिम विदाई देते समय कई लोगों की आंखें नम थीं।

अंतिम विदाई में उमड़ा फिल्म जगत

नाना पाटेकर को अंतिम विदाई देने के लिए राजनीति, समाज और फिल्म जगत की कई नामचीन हस्तियां डोणजे पहुंचीं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पुणे हवाई अड्डे और डोणजे में नाना पाटेकर के अंतिम दर्शन किए तथा उनके परिजनों को सांत्वना दी।

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार, मंत्री चंद्रकांत पाटील, केंद्रीय राज्यमंत्री मुरलीधर मोहोल, रामदास आठवले, सुनील तटकरे, माधुरी मिसाळ, विधायक गोपीचंद पडळकर, अर्जुन खोतकर, रुपाली चाकणकर, सदाभाऊ खोत और उदय सामंत सहित अनेक नेताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

फिल्म जगत से अभिनेता मकरंद अनासपुरे, नागराज मंजुळे, नीना कुलकर्णी, प्रवीण तरडे, सुरेश वाडकर, पुरुषोत्तम बेर्डे, सुशांत शेलार और लेखक अरविंद जगताप सहित ह्यनामह्न फाउंडेशन के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

फिल्म अभिनेता नाना पाटेकर मौत मामले की जांच शुरू

मुंबई (एजेंसी)। फिल्म अभिनेता नाना पाटेकर की मौत के बाद गोवा की पणजी पुलिस स्टेशन की टीम ने शुक्रवार को अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। इस मामले में गोवा पुलिस नाना पाटेकर के नजदीकी रिश्तेदारों का बयान दर्ज करवाने की भी तैयारी कर रही है।

इस मामले की छानबीन कर रहे पुलिस अधिकारी ने आज बताया कि अभिनेता की मौत के बाद पणजी पुलिस स्टेशन में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 194 के तहत अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज किया है। मौत का सही कारण स्पष्ट करने के लिए जांच चल रही है। पुलिस इस मामले में फिल्म अभिनेता को गुरुवार को तडके उनके आवास पर जब से तकलीफ हुई और उनके अस्पताल पहुंचने और वहां मृत घोषित किए जाने तक की जांच करने वाली है।

इसका कारण गोवा के मणिपाल अस्पताल के डॉक्टर ने पणजी पुलिस स्टेशन को फोन कर फिल्म अभिनेता नाना के मौत की जानकारी दी थी। उस समय मणिपाल अस्पताल के डॉक्टर की ओर कहा गया था कि फिल्म अभिनेता नाना को मृत अवस्था में अस्पताल लाया गया था। पुलिस मौत का सही कारण साफ करने के लिए मौके पर पंचनामा करेगी। साथ ही, गोवा मेडिकल कॉलेज में पोस्टमार्टम कराया जाएगा और परिवार और संबंधित लोगों के बयान दर्ज किए जाएंगे। पुलिस अभी मौत के हालात और कारण की पूरी जांच कर रही है। अगर जांच में पता चलता है कि मौत नेचुरल थी, तो नियमों के मुताबिक केस बंद कर दिया जाएगा।

सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने पर प्रधानमंत्री के सम्मान में योगी कैबिनेट का बड़ा फैसला

जेवर एयरपोर्ट अब कहलाएगा नरेन्द्र मोदी इंटरनेशनल एयरपोर्ट

वेब वार्ता न्यूज़ एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट अब नरेन्द्र मोदी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के नाम से जाना जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई उत्तर प्रदेश कैबिनेट की बैठक में एयरपोर्ट के नामकरण का प्रस्ताव पारित किया गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर लिए गए इस निर्णय को मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री के प्रति प्रदेश सरकार की कृतज्ञता और उत्तर प्रदेश के विकास में उनके मार्गदर्शन एवं योगदान के सम्मान का प्रतीक बताया।

बैठक के बाद आयोजित पत्रकार वार्ता में मुख्यमंत्री ने बताया कि कैबिनेट ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने पर अभिनंदन प्रस्ताव भी पारित किया है। 07 अक्टूबर को प्रधानमंत्री मोदी ने सरकार (गुजरात के मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री के रूप में) के मुखिया के रूप में 25 वर्षों की निरंतर और समर्पित सार्वजनिक सेवा पूरी की। यह भारतीय लोकतांत्रिक इतिहास का गौरवपूर्ण अध्याय है। 25 वर्षों की यह यात्रा सेवा, समर्पण और राष्ट्र प्रथम की भावना से संचालित रही है। यह यात्रा केवल सत्ता या शासन की यात्रा नहीं, बल्कि जनसेवा से जनकल्याण और जनभागीदारी से जनविश्वास की यात्रा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जेवर प्रधानमंत्री की ओर से उत्तर प्रदेश को मिली एक बड़ी सौगात है। यह एयरपोर्ट आने वाले समय में प्रदेश की अर्थव्यवस्था, उद्योग, पर्यटन और वैश्विक कनेक्टिविटी को नई ऊंचाई देगा। इसी भावना के साथ कैबिनेट ने एयरपोर्ट का नाम नरेन्द्र मोदी इंटरनेशनल एयरपोर्ट किए जाने का प्रस्ताव पारित किया है। कैबिनेट प्रधानमंत्री मोदी के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन, उनके सतत मार्गदर्शन, उत्तर प्रदेश के विकास के प्रति उनकी निरंतर प्रतिबद्धता और देश को नई दिशा देने वाले नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करती है। कैबिनेट ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व के प्रति अभिनंदन भी व्यक्त किया। उनके नेतृत्व और मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार विकसित उत्तर प्रदेश, विकसित भारत-2047 के संकल्प को साकार करने के लिए पूरी ऊर्जा, निष्ठा और प्रतिबद्धता से काम करती रहेगी।

काशी से जेवर तक, यूपी से प्रधानमंत्री का विशेष जुड़ाव

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री काशी से निर्वाचित जनप्रतिनिधि हैं और उत्तर प्रदेश की धरती से देश का नेतृत्व कर रहे हैं। काशी और प्रधानमंत्री का संबंध केवल राजनीतिक प्रतिनिधित्व तक सीमित नहीं रहा। काशी के विकास, आध्यात्मिक पुनर्जागरण और उत्तर प्रदेश के समग्र विकास के बीच एक नया संबंध बना। मुख्यमंत्री ने बताया कि उत्तर प्रदेश में करीब 2,483 किलोमीटर लंबे 42 राष्ट्रीय राजमार्गों पर लगभग 60 हजार करोड़ खर्च किए गए हैं।

महिला सशक्तीकरण से गांव की अर्थव्यवस्था को ताकत

मुख्यमंत्री ने कहा कि लखपति दीदी अभियान के तहत 10 लाख स्वयं सहायता समूहों से एक करोड़ से अधिक महिलाएं जुड़ी हैं। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत 15 लाख से अधिक स्ट्रीट वेंडर्स को आर्थिक सहायता मिली है। स्वामित्व योजना के तहत 91 हजार से अधिक गांवों में काम हुआ और 1.10 करोड़ से अधिक ग्रामीण परिवारों को घरौनी के रूप में संपत्ति का प्रमाण मिला। महिलाओं की आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक भागीदारी बढ़ी है। ओबीसी आयोग को संवैधानिक दर्जा, आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण तथा अनुसूचित जाति-जनजाति और समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों के कल्याण के लिए अनेक कदम उठाए गए हैं।

यूपी का हुनर लोकल से ग्लोबल तक

मुख्यमंत्री ने कहा कि एक जिला-एक उत्पाद योजना ने उत्तर प्रदेश के स्थानीय उत्पादों और हस्तशिल्प को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई है। प्रधानमंत्री मोदी ने विदेश यात्राओं के दौरान काशी की गुलाबी मीनाकारी, निजामाबाद की ब्लैक पॉटरी, कन्नौज का इत्र और लखनऊ की जरदोजी जैसे यूपी के उत्पादों को वैश्विक मंच दिया।

युवाओं को नौकरी, प्रशिक्षण और डिजिटल ताकत

योगी ने कहा कि स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तीकरण योजना के तहत 62 लाख से अधिक युवाओं को स्मार्टफोन और टैबलेट दिए गए। प्रदेश में 9.50 लाख से अधिक सरकारी नियुक्तियां हुई हैं और 65 लाख युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार मिला है। रोजगार मेलों, आईटीआई और कौशल विकास मिशन के माध्यम से 31.11 लाख से अधिक युवाओं को प्रशिक्षण दिया गया। मेरठ में मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय, काशी में आधुनिक खेल परिसर और नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस जैसी परियोजनाओं से खेल और युवा प्रतिभाओं को नई दिशा मिली है।

दिल्ली में प्रदर्शन के मद्देनजर कई ट्रेनें रद्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में शनिवार, 10 अक्टूबर को प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन और ट्रैफिक एडवाइजरी के मद्देनजर उत्तर रेलवे ने कई ट्रेनों को रद्द करने का फैसला किया। उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय ने शुक्रवार को एक बयान में बताया कि सुबह 4 से दोपहर 2 बजे तक प्रस्तावित प्रदर्शन के कारण नई दिल्ली, हजरत निजामुद्दीन और तिलक ब्रिज रेलवे स्टेशनों पर आने-जाने वाली ट्रेनों का परिचालन प्रभावित रहेगा।

रेलवे की ओर से जारी सूची के अनुसार, 9 एवं 10 अक्टूबर को चलने वाली कई प्रमुख ट्रेनों को रद्द किया गया है। इनमें मगध एक्सप्रेस, तेजस राजधानी एक्सप्रेस, संपूर्ण क्रांति एक्सप्रेस, अमृत भारत एक्सप्रेस, प्रयागराज एक्सप्रेस और श्रमशक्ति एक्सप्रेस जैसी ट्रेनें शामिल हैं। इसके अलावा कानपुर, आगरा, बनारस, कासगंज और लखनऊ से दिल्ली आने वाली कुछ अन्य ट्रेनें भी प्रभावित होंगी।

इस्लामपुर से नई दिल्ली आने वाली 20801 मगध एक्सप्रेस, राजेंद्र नगर से चलने वाली 12309 तेजस राजधानी एक्सप्रेस, 12393 संपूर्ण क्रांति एक्सप्रेस और 22361 अमृत भारत एक्सप्रेस को रद्द किया गया है। कानपुर सेंट्रल से नई दिल्ली आने वाली 12033 शताब्दी एक्सप्रेस, प्रयागराज से आने वाली 12417 प्रयागराज एक्सप्रेस और 12275 हमसफर एक्सप्रेस भी प्रभावित ट्रेनों में शामिल हैं।

इसके अलावा 12451 श्रमशक्ति एक्सप्रेस, आगरा कैंट से आने वाली 14211 इंटरसिटी, बनारस से चलने वाली 12559 और 12581 नंबर की ट्रेनें, कासगंज से आने वाली 15303 और लखनऊ से चलने वाली 82501 तेजस एक्सप्रेस सूची में शामिल हैं। जबलपुर से हजरत निजामुद्दीन आने वाली 22181, 12189 और 12121 नंबर की ट्रेनों पर असर पड़ेगा।

प्रदर्शन के कारण तिलक ब्रिज और हजरत निजामुद्दीन से संबंधित कई ट्रेनों का परिचालन भी प्रभावित रहेगा। इनमें सिरसा से तिलक ब्रिज आने वाली 15308, उदयपुर सिटी से हजरत निजामुद्दीन आने वाली 12964 और श्रीगंगानगर से तिलक ब्रिज आने वाली 14727 ट्रेन शामिल हैं। इसके साथ ही हजरत निजामुद्दीन से उदयपुर सिटी जाने वाली 12963, तिलक ब्रिज से भिवानी जाने वाली 14738, भिवानी से तिलक ब्रिज आने वाली 14737 और तिलक ब्रिज से श्रीगंगानगर जाने वाली 14728 ट्रेनें रद्द रहेंगी। देहरादून से नई दिल्ली आने वाली 12056 ट्रेन को रद्द करने की जानकारी दी गई है। कुछ ट्रेनों को रेक उपलब्ध नहीं होने के कारण रद्द किया गया है।

उत्तर रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि वे यात्रा शुरू करने से पहले अपनी ट्रेन की स्थिति की पुष्टि कर लें, ताकि स्टेशन पहुंचने के बाद किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट या रेलवे के अधिकृत पूछताछ माध्यमों से ट्रेन के परिचालन से जुड़ी ताजा जानकारी प्राप्त करें।

एलन मस्क स्टालिंक विवाद पर बोले ज्योतिरादित्य सिंधिया

भारत में किसी क्षेत्र में एकाधिकार की अनुमति नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शुक्रवार को कहा कि भारत किसी भी क्षेत्र में एकाधिकार की अनुमति नहीं देता। तीन कंपनियों को सैटेलाइट संचार सेवाओं के लिए लाइसेंस मिल चुके हैं। ये कंपनियां सुरक्षा संबंधी आवश्यकताएं और निर्धारित मानक पूरे करने के बाद सेवाएं शुरू कर सकती हैं। सिंधिया का बयान अमेरिकी उद्योगपति एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक की सेवाओं को लेकर चल रहे विवाद के बीच आया है।

उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य ग्राहकों को विभिन्न तकनीकों और सेवाओं के विकल्प उपलब्ध कराना है। ग्राहक स्वतंत्र बाजार में अपनी पसंद की कंपनी की सेवा चुन सकते हैं।

इंडिया मोबाइल कांग्रेस में आज केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि दूरसंचार विभाग तकनीक के मामले में किसी एक विकल्प का पक्ष नहीं लेता। विभाग की जिम्मेदारी सभी ग्राहकों को विभिन्न सेवाओं के विकल्प उपलब्ध कराना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कंपनियों को सुरक्षा मानकों और निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन करना होगा। इसके बाद ही वे भारत में अपनी सेवाएं शुरू कर सकेंगी।

रायगंज में लॉरी-पिकअप वैन की आमने-सामने टक्कर, पांच लोगों की दर्दनाक मौत

रायगंज (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले के रायगंज में शुक्रवार तड़के राष्ट्रीय राजमार्ग-12 पर हुए सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। मृतकों में पिकअप वैन में सवार चार मजदूर और चालक शामिल हैं। सभी मृतक मालदा जिले के कालियाचक क्षेत्र के निवासी थे। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त दोनों वाहनों को जब्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, पिकअप वैन गुरुवार रात कालियाचक से मुर्गियां लेकर सिलीगुड़ी गई थी। वहां सामान उतारने के बाद वाहन चार मजदूरों और चालक के साथ वापस लौट रहा था। शुक्रवार सुबह करीब चार बजे बांका मोड़ के पास पिकअप वैन की एक लॉरी से आमने-सामने की टक्कर हो

गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि वैन में सवार सभी पांच लोगों की मौत हो गई।

मृतकों की पहचान हसनत अली (15), मोहम्मद रमजान मोमिन (28), मोहम्मद मुस्तफा अंसारी (18), साहेल अंसारी (17) और पिकअप वैन चालक सोहेल अख्तर (31) के रूप में हुई है। हादसे की सूचना मिलने पर ट्रैफिक पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। बचाव अभियान चलाकर आवश्यक कार्रवाई की गई।

पुलिस ने सभी शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रायगंज मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया। दुर्घटना के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग पर करीब दो घंटे तक यातायात बाधित रहा। सड़क पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित होने के बाद पुलिस ने यातायात को पुराने राष्ट्रीय राजमार्ग की ओर डायवर्ट किया।

पुलिस अधीक्षक डॉ. सोनावाने कुलदीप सुरेश ने दुर्घटना में पांच लोगों की मौत की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि हादसे में शामिल दोनों वाहनों को जब्त कर लिया गया है। पुलिस दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए मामले की जांच कर रही है।

डॉक्टर की पर्ची वाली दवाओं के विज्ञापन पर सख्ती की तैयारी

औषधि नियम, 1945 में संशोधन का मसौदा अधिसूचित

- खुदरा और थोक विक्रेताओं पर भी लागू होंगे प्रतिबंध

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने डॉक्टर की पर्ची पर मिलने वाली दवाओं के विज्ञापन को लेकर नियम सख्त करने की तैयारी की है। इसके तहत दवा निमार्ता कंपनियों के साथ-साथ खुदरा विक्रेताओं, थोक विक्रेताओं और वितरकों पर भी विज्ञापन संबंधी प्रतिबंध लागू करने का प्रस्ताव है।

स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा शुक्रवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार इस कदम का उद्देश्य बिना अनुमति दवाओं के प्रचार पर रोक लगाना और लोगों को डॉक्टर की सलाह

के बिना दवाओं के इस्तेमाल से होने वाले संभावित नुकसान से बचाना है।

मंत्रालय ने इस संबंध में औषधि नियम, 1945 में संशोधन का मसौदा अधिसूचित किया है। 28 सितंबर 2026 को जारी राजपत्र अधिसूचना संख्या जीएसआर 861(ई) के तहत नियम 65 में नया उपनियम (22) जोड़ने का प्रस्ताव किया गया है। यह संशोधन फिलहाल प्रस्ताव के स्तर पर है और इस पर संबंधित पक्षों से सुझाव व आपत्तियां मांगी गई हैं।

मौजूदा नियमों के तहत शेड्यूल एच, एच1 और एक्स में शामिल दवाओं के विज्ञापन के लिए दवा निमार्ताओं को केंद्र सरकार की पूर्व अनुमति लेनी होती है। हालांकि, इन दवाओं की खुदरा और थोक बिक्री करने तथा वितरण का लाइसेंस रखने वाले कारोबारियों पर विज्ञापन संबंधी प्रतिबंध स्पष्ट रूप से लागू नहीं थे।

प्रस्तावित संशोधन के बाद इन श्रेणियों की दवाओं को बेचने, स्टॉक रखने, प्रदर्शित करने, बिक्री के लिए पेश करने या वितरित करने का लाइसेंस रखने वाले प्रतिष्ठानों पर भी यह पाबंदी लागू होगी। ऐसे कारोबारी केंद्र सरकार की पूर्व अनुमति के बिना संबंधित दवाओं का विज्ञापन नहीं कर सकेंगे।

दवाओं की आपूर्ति और वितरण व्यवस्था में नियामकीय निगरानी होगी मजबूत

स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इस पहल से दवाओं की आपूर्ति और वितरण व्यवस्था में नियामकीय निगरानी मजबूत होगी। साथ ही, ऐसे प्रचार पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी, जो लोगों को डॉक्टर की सलाह के बिना दवाएं लेने के लिए प्रोत्साहित कर सकता है। शेड्यूल एच, एच1 और एक्स में ऐसी दवाएं शामिल हैं, जिनके इस्तेमाल में चिकित्सकीय निगरानी जरूरी होती है। इनमें कुछ एंटीबायोटिक, मन:प्रभावी दवाएं और अन्य नियंत्रित दवाएं शामिल हैं। इनका अनुचित इस्तेमाल स्वास्थ्य के लिए जोखिम पैदा कर सकता है। मंत्रालय ने यह प्रस्ताव औषधि तकनीकी सलाहकार बोर्ड (डीटीएबी) की 93वीं बैठक की सिफारिशों के बाद तैयार किया है। बोर्ड की बैठक 16 फरवरी 2026 को हुई थी।

30 दिन के भीतर भेजे जा सकेंगे सुझाव

मंत्रालय ने मसौदा नियमों पर आम जनता और संबंधित पक्षों से आपत्तियां एवं सुझाव आमंत्रित किए हैं। राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां सार्वजनिक रूप से उपलब्ध होने की तारीख से 30 दिन के भीतर सुझाव भेजे जा सकेंगे। निर्धारित अवधि में प्राप्त सुझावों और आपत्तियों पर विचार करने के बाद केंद्र सरकार संशोधन को अंतिम रूप देने पर निर्णय लेगी।

संपादकीय

वी विल डू इट

प्रधानमंत्री मोदी ने सार्वजनिक जीवन में निरंतर 25 साल सत्ता में रहने का एक कीर्तिमान, मील पत्थर स्थापित किया है। प्रधानमंत्री बनने से पहले वह निरंतर 13 साल तक गुजरात के मुख्यमंत्री रहे। अब देश के प्रधानमंत्री पद पर भी वह लगातार 4518 दिनों (8 अक्तूबर, 2026 तक) का नया इतिहास रच चुके हैं। यकीनन यह असाधारण उपलब्धि है। यह भारत के लोकतंत्र और जनमत की सशक्तता का भी प्रमाण है कि एक ही व्यक्ति को, सर्वोच्च कार्यकारी भूमिका के लिए, जनादेश दिया जा रहा है। वोट चोरी का शोर मचा कर इसे बौना न करें। अब इतिहास के पन्नों पर प्रधानमंत्री मोदी का भी उल्लेख होगा, लेकिन व्याख्याएं अलग-अलग की जा सकती हैं। 2024 के जनादेश के बाद भी वह 2 साल 4 माह से प्रधानमंत्री हैं। अभी उनके कार्यकाल के अढाई साल से अधिक का समय शेष है। अर्थात प्रधानमंत्री मोदी भारत के सबसे लंबे वक्त तक प्रधानमंत्री रहेंगे, यह अब तय हो गया है। इस अवसर पर उन्होंने देश को नया नारा दिया है-वी विल डू इट। यानी हम यह करके रहेंगे। यह नारा अच्छे दिन आएंगे का नया संस्करण है। 2014 के लोकसभा चुनाव से पहले ह्यअच्छे दिनों के उद्घोष और आह्वान ने नई उम्मीदों, नई आकांक्षाओं, नई अपेक्षाओं को जगाया था, नतीजतन मोदी के नेतृत्व में भाजपा को पहली बार 282 सीटों का ऐतिहासिक जनादेश मिला था। राजनीतिक इतिहास में भाजपा ने अकेले दम पर बहुमत हासिल किया था। करोड़ों भारतीयों ने अच्छे दिन महसूस किए होंगे, लेकिन करोड़ों आज भी बर्बादियों का कालखंड मानते हैं। प्रधानमंत्री मोदी के घोर, कट्टर विरोधी और आलोचक भी मानते होंगे कि ये 12 साल 4 माह भारत के लिए आर्थिक और सांस्कृतिक जनादेश भी साबित हुए हैं। अब भारत में दोहरे विकल्पों, भागों, आधारों की स्थिति नहीं है। यदि अंत्योदय है, तो डिजिटल इंडिया भी है। यदि आज भी गरीबी है, तो 25 करोड़ से अधिक भारतीय गरीबी से बाहर आए हैं।

यह तथ्य विश्व बैंक, आईएमएफ और अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसियां भी मानती हैं। अंतरराष्ट्रीय निवेशकों को जिस हिंदूवादी, स्वदेशी, संकरे-शोषक मानस के भारत का भय और ऐसी आशंकाएं थीं, कमोबेश प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें गलत साबित किया। भारत एकतरफा और सांप्रदायिक देश नहीं है, नतीजतन आज हमारा विदेशी मुद्रा भंडार 750 अरब डॉलर से अधिक का है। अब प्रधानमंत्री मोदी नए नारे के साथ 2047 में विकसित भारत का आह्वान कर रहे हैं। फिलहाल 21 लंबे साल शेष हैं। राजनीति में यह अवधि अनिश्चित होती है। प्रधानमंत्री ने तीसरे स्थान की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, वैश्विक मैन्यूफैक्चरिंग हब, अंतरिक्ष में कदम, ओलिंपिक की मेजबानी आदि के संदर्भ में हुंकार भरी और भीड़ से भरवाई है कि ह्यवी विल डू इट। भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था रह चुका है और तीसरे स्थान की हुंकारें लंबे समय से भरी जा रही हैं। चुनावों में भी प्रधानमंत्री ऐसे दावे करते रहे हैं। हकीकत यह है कि हम चौथे से लुढक कर छठे स्थान पर आ गए हैं। अमरीका और चीन की अर्थव्यवस्थाएं इतनी विराट और व्यापक हैं कि भारत चुनौती देने की सोच भी नहीं सकता। जर्मनी और जापान की विकसित अर्थव्यवस्थाएं भी हमसे आगे हैं। प्रति व्यक्ति आय में ही कई गुना के फासले हैं। यदि भारत की जीडीपी एक ट्रिलियन डॉलर बढ़ेगी, तो जर्मनी 2 ट्रिलियन डॉलर विकसित होगी। वह आज भी एक ट्रिलियन डॉलर से अधिक हमसे आगे है। वैसे भी 2030 तक भारत जर्मनी को लांघ नहीं सकता, ये आकलन अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और एजेंसियों के हैं। भारत फिलहाल एशिया में भी मैन्यूफैक्चरिंग हब नहीं है। यह रुतबा चीन को हासिल है। वैश्विक बनना तो महज गालबजाई है। मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र में हालिया गिरावट और भारतीय जीडीपी में उसका योगदान कम होना चिंताजनक तथ्य है। प्रधानमंत्री के कुछ आह्वानों, आयामों के बूते ही वी विल डू इट को हासिल नहीं किया जा सकता।

मस्तिष्क के रहस्यों की नई खोज से मानवता के उजाले

मानव सभ्यता की यात्रा अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ने की यात्रा है। कभी मनुष्य ने प्रकृति के रहस्यों को समझने के लिए आकाश की ओर देखा, कभी धरती की गहराइयों में उतरकर जीवन के सूत्र खोजे और कभी अपने शरीर के भीतर छिपी अद्भुत शक्तियों को जानने का प्रयास किया। विज्ञान की प्रत्येक महत्वपूर्ण खोज ने मनुष्य के सामने एक नया क्षितिज खोला है। लेकिन इन सभी खोजों के बीच मानव मस्तिष्क आज भी सबसे बड़ी पहेली बना हुआ है। जिस मस्तिष्क ने विशाल पर्वतों को लांघने, समुद्रों की गहराइयों को नापने, अंतरिक्ष तक पहुंचने और कृत्रिम बुद्धिमत्ता विकसित करने की क्षमता अर्जित की, उसी मस्तिष्क के भीतर विचार कैसे जन्म लेते हैं, स्मृतियां कैसे आकार पाती हैं, भावनाएं हमारे व्यवहार को किस प्रकार संचालित करती हैं और मानसिक पीड़ा मनुष्य के जीवन को किस तरह बदल देती है, ये प्रश्न लंबे समय से वैज्ञानिकों को चुनौती देते रहे हैं। ऐसे में मस्तिष्क की तंत्रिका कोशिकाओं को प्रकाश के माध्यम से नियंत्रित करने से संबंधित अनुसंधान का महत्व केवल वैज्ञानिक उपलब्धि तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानव जीवन को समझने और उसके दुखों को कम करने की दिशा में एक नई आशा का संचार करता है। वर्ष 2026 के चिकित्सा के नोबेल पुरस्कार के संबंध में प्रस्तुत विवरण में कार्ल डेइसेरोथ, पीटर हेगेमान और जॉर्ज नागेल की जिस खोज का उल्लेख है, वह विज्ञान की इसी खोजी प्रवृत्ति का उदाहरण है। इस अनुसंधान से विकसित प्रकाशानुवंशिकी तकनीक ने मस्तिष्क की गतिविधियों का अध्ययन करने के लिए एक ऐसा मार्ग उपलब्ध कराया है, जिसके माध्यम से वैज्ञानिक विशेष तंत्रिका कोशिकाओं को प्रकाश की सहायता से सक्रिय या निष्क्रिय कर सकते हैं। इस उपलब्धि की विशेषता यह है कि इसकी शुरूआत किसी विशाल प्रयोगशाला में मनुष्य के मस्तिष्क पर किए गए प्रयोग से नहीं, बल्कि एक छोटे से शैवाल में प्रकाश के प्रति संवेदनशील प्रोटीन को समझने के प्रयास से हुई। प्रकृति के एक सूक्ष्म जीव में छिपे रहस्य ने मानव मस्तिष्क के अध्ययन के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोल दिए। यह घटना हमें बताती है कि प्रकृति में छोटा-बड़ा कुछ भी महत्वहीन नहीं होता। कभी-कभी जीवन की सबसे बड़ी समस्याओं का समाधान प्रकृति के सबसे छोटे घटकों में छिपा होता है।

इस खोज की मूल भावना को समझना आवश्यक है। हमारे मस्तिष्क में असंख्य तंत्रिका कोशिकाएं विद्युत और रासायनिक संकेतों के माध्यम से परस्पर संवाद करती हैं। यही संवाद हमारी स्मृति, संवेदना, भय, प्रसन्नता, निर्णय और व्यवहार को प्रभावित करता है। पहले वैज्ञानिक मस्तिष्क के उन हिस्सों का अध्ययन कर सकते थे जो किसी विशेष गतिविधि के समय सक्रिय होते हैं, लेकिन केवल सक्रियता देख लेने से यह निश्चित करना कठिन था कि कोई विशेष कोशिका उस गतिविधि का कारण भी है या नहीं। प्रकाश के माध्यम से चुनिंदा कोशिकाओं को नियंत्रित करने की तकनीक ने इस अंतर को समझने का अवसर दिया। अब वैज्ञानिक अधिक सूक्ष्मता से जांच सकते हैं कि किसी विशेष तंत्रिका समूह को सक्रिय करने अथवा उसकी गतिविधि रोकने से व्यवहार और शारीरिक प्रतिक्रिया में क्या परिवर्तन आता है। इस प्रकार मस्तिष्क का अध्ययन केवल देखने की प्रक्रिया से आगे बढ़कर कारण और परिणाम के संबंधों को समझने की दिशा में बढ़ा है। फिर भी वैज्ञानिक आशा और वास्तविक चिकित्सा उपलब्धि के बीच का अंतर समझना उतना ही आवश्यक है। विशेषकर मनुष्य के मस्तिष्क में इस तकनीक के सुरक्षित उपयोग के लिए अनेक वैज्ञानिक, चिकित्सकीय और नैतिक चुनौतियों का समाधान आवश्यक है। इसी प्रकार कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मस्तिष्क के संबंधों में इस अनुसंधान की उपयोगिता की संभावनाएं हो सकती हैं, लेकिन प्रत्येक संभावित लाभ को स्थापित उपलब्धि मान लेना विज्ञान की गंभीरता के अनुकूल नहीं है। वास्तविक वैज्ञानिक दृष्टि वही है जो आशा को जीवित रखे, लेकिन तथ्यों के प्रति ईमानदार भी बनी रहे।

यहां इस खोज की तुलना विज्ञान की उन अन्य उपलब्धियों से भी की जा सकती है, जिन्होंने मानव जीवन की दिशा बदल दी। टीकों ने संक्रामक रोगों से बचाव के नए रास्ते खोले, प्रतिजैविक औषधियों ने अनेक प्राणघातक संक्रमणों के उपचार को संभव बनाया और आधुनिक शल्य चिकित्सा ने असंख्य जीवन बचाए। इन उपलब्धियों की विशेषता केवल उनकी वैज्ञानिक नवीनता नहीं थी, बल्कि उनका व्यापक सामाजिक प्रभाव भी था। दूसरी ओर, विज्ञान की कुछ खोजों को प्रयोगशाला से सामान्य जीवन तक पहुंचने में दशकों लगे। मस्तिष्क संबंधी अनुसंधान भी इसी लंबी यात्रा का हिस्सा है। इसका वास्तविक मूल्य तभी सामने आएगा, जब इससे प्राप्त ज्ञान सुरक्षित उपचारों, सुलभ चिकित्सा और रोगियों के जीवन में ठोस सुधार का आधार बनेगा। विज्ञान की महानता केवल किसी रहस्य को खोलने में नहीं, बल्कि उस ज्ञान को मानवता के हित में उपयोग करने में निहित है। इस संदर्भ में नोबेल पुरस्कार का महत्व भी नए सिरे से समझने की आवश्यकता है। यह सम्मान किसी वैज्ञानिक की व्यक्तिगत उपलब्धि का उत्सव भर नहीं होता, बल्कि उन वर्षों के परिश्रम, जिज्ञासा, असफलताओं और धैर्य की स्वीकृति भी होता है, जिनके बिना कोई महत्वपूर्ण खोज संभव नहीं होती।

इस खोज का एक नैतिक और दार्शनिक पक्ष भी है। मनुष्य का मस्तिष्क केवल विचारों और प्रतिक्रियाओं का केंद्र नहीं, बल्कि उसकी पहचान, अनुभवों और आत्मबोध से भी गहराई से जुड़ा है। यदि वैज्ञानिक किसी विशेष कोशिका समूह को सक्रिय या निष्क्रिय करके व्यवहार में परिवर्तन ला सकते हैं, तो यह प्रश्न भी उठता है कि मस्तिष्क की गतिविधियों को नियंत्रित करने की हमारी क्षमता की सीमाएं क्या होनी चाहिए। रोगों के उपचार और मानवीय पीड़ा को कम करने के लिए ऐसी तकनीकों का विकास स्वागतयोग्य है, लेकिन इनके उपयोग में व्यक्ति की गरिमा, स्वतंत्रता, निजता और सहमति की रक्षा अनिवार्य है। किसी मनुष्य के विचारों और भावनाओं को समझने की वैज्ञानिक क्षमता का अर्थ यह नहीं हो सकता कि उसके मन पर नियंत्रण स्थापित करने का अधिकार भी प्राप्त हो गया। विज्ञान को जितनी शक्ति मिलती है, उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी भी उसके साथ जुड़ती है। भारत जैसे देश के लिए इन अनुसंधानों का संदेश विशेष महत्व रखता है। यहां बड़ी आबादी को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना, मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सामाजिक संकोच दूर करना और वैज्ञानिक अनुसंधान को सामान्य जनजीवन से जोड़ना बड़ी चुनौतियां हैं। मानसिक रोगों को कमजोरी या सामाजिक कलंक मानने के बजाय उन्हें संवेदनशीलता और चिकित्सकीय समझ के साथ देखने की आवश्यकता है। विज्ञान की नई खोजें तभी सार्थक होंगी, जब उनके लाभ केवल संपन्न वर्ग या विकसित देशों तक सीमित न रहें। अनुसंधान से विकसित होने वाले उपचार सुलभ, सुरक्षित और आर्थिक रूप से वहनीय भी होने चाहिए। ज्ञान का वास्तविक लोकतंत्रीकरण तभी होगा, जब समाज का कमजोर से कमजोर व्यक्ति भी उससे लाभ प्राप्त कर सके।

अंतत: मस्तिष्क के रहस्यों को समझने की यह यात्रा हमें केवल मनुष्य की जैविक संरचना के बारे में नई जानकारी नहीं देती, बल्कि हमारी सभ्यता के उद्देश्य पर भी विचार करने के लिए प्रेरित करती है। जिस बुद्धि के बल पर मनुष्य ने प्रकृति को समझा, उसी बुद्धि का सर्वोच्च उपयोग दूसरों की पीड़ा को समझने और कम करने में होना चाहिए। प्रकाश का वास्तविक अर्थ केवल अंधकार को हटाना नहीं, बल्कि जीवन को देखने की दृष्टि बदलना भी है। एक छोटे से शैवाल में छिपी वैज्ञानिक संभावना से लेकर मानव मस्तिष्क की जटिल गतिविधियों तक फैली यह यात्रा हमें विनम्रता, धैर्य और जिज्ञासा का संदेश देती है। यह याद दिलाती है कि प्रकृति के रहस्य असीम हैं और मनुष्य का ज्ञान अभी अधूरा है। इसलिए विज्ञान की हर नई उपलब्धि को अंतिम उत्तर नहीं, बल्कि बेहतर प्रश्न पूछने और अधिक मानवीय समाधान खोजने का अवसर मानना चाहिए। किसी भी खोज की सर्वोच्च सफलता तब होगी, जब वह प्रयोगशाला की सीमाओं से निकलकर पीड़ित मनुष्य के जीवन में राहत, निराश व्यक्ति के जीवन में आशा और समाज में अधिक संवेदनशीलता का संचार करे। यही विज्ञान की मानवीय कसौटी है और यही वह नई दृष्टि है, जिसकी आज पूरी दुनिया को आवश्यकता है।

लेखक – ललित गर्ग

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

अमेरिका और ईरान की जंग का सारी दुनिया में प्रभाव

इजरायल, फिलिस्तीन, रूस, यूक्रेन युद्ध के बाद अमेरिका और ईरान के बीच में शुरू हुआ युद्ध मिडिल ईस्ट के कई देशों तक फैल गया है। धीरे-धीरे करके इसका असर अब सारी दुनिया में देखने को मिल रहा है। अमेरिका ने 8 महीने पहले दावा किया था, एक सप्ताह के अंदर युद्ध खत्म हो जाएगा। एक सप्ताह छोड़ 8 माह निकल गए हैं, युद्ध खत्म होने के स्थान पर बढ़ता ही चला जा रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे इस युद्ध में रूस और चीन जैसी महाशक्तियों की दखलंदाजी देखने को मिल रही है। डॉलर मुद्रा को भी चुनौती मिलना शुरू हो गई। अमेरिका ने तरह-तरह से टैरिफ लगाकर दुनियां को हैरान किया वहीं होर्मुज बंदरगाह में कब्जे को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच जो युद्ध शुरू हुआ वह समाप्त होने का नाम ही नहीं ले रहा है। अब इसका असर सारी दुनिया में पडने लगा है। कच्चे तेल के दाम लगातार बढ़ते चले जा रहे हैं। महंगाई सारी दुनिया के देशों में बढ़ रही है। सभी जगह आंदोलन देखने को मिल रहे हैं। आर्थिक मंदी की आशंका से सारा विश्व इन दिनों भयाक्रांत है। इसके बाद भी सत्ता में बैठे हुए लोग अपने अहंकार के चलते युद्ध समाप्त हो इस दिशा में कोई सार्थक प्रयास करते हुए नजर नहीं आ रहे हैं। सबसे बड़े दुख की बात यह है, अंतर्राष्ट्रीय संस्थाएं जिनकी यह जिम्मेदारी थी कि वह पूरे विश्व में शांति बनाए रखें, वह अंतर्राष्ट्रीय संस्थाएं भी अपनी भूमिका का निर्वाह नहीं कर पा रही हैं।

युद्ध में केवल लड़ने वाले देशों को नुकसान होता हो ऐसा नहीं है। अमेरिका को 3.3 अरब डॉलर का नुकसान ईरान के साथ इस युद्ध में हो चुका है। उसके 15 जेट विमान मार गिराए गए हैं। एफ 16 विमान, 81 मिलट्री एयरक्राफ्ट और बड़ी संख्या में ड्रोन नष्ट हुए हैं। मिडिल ईस्ट के कई देशों में अमेरिका ने जो सैन्य अड्डे बनाए थे वह लगभग बर्बाद हो चुके हैं। अमेरिका को ईरान के साथ इस युद्ध में भारी आर्थिक एवं सामरिक नुकसान उठाना पड़ा है। इसके बाद भी मरता क्या ना करता की तर्ज पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप नवंबर माह में होने वाले चुनाव को जीतने के लिए इस युद्ध को ऐसी दिशा की ओर ले जा रहे हैं जहां विनाश ही विनाश है। अमेरिका में तेजी के साथ महंगाई बढ़ रही है। डोनाल्ड ट्रंप की लोकप्रियता मात्र 30 फीसदी रह गई है। टैक्सास जैसे राज्य से यह मांग उठने लगी है, रिजर्व भंडार से डीजल की आपूर्ति की जाए। अमेरिका जैसा देश डीजल की कमी से अब जूझने लगा है। इस युद्ध में उसके हथियार भंडार से 70 फीसदी हथियार युद्ध में काम आ चुके हैं अब उसके पास युद्ध लड़ने के लिए पर्याप्त मात्रा में हथियार भी नहीं है।

इसके बाद भी अमेरिका और ईरान के बीच कोई सहमति नहीं बन पा रही है, उल्टे रुस को लेकर अमेरिका ने जो प्रतिबंध लगाए हैं, इसका असर दुनिया के कई देशों में पडने लगा है। भारत भी इससे अछूता नहीं है। भारतीय बंदरगाह और हवाई अड्डों पर भी अमेरिका द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों का असर दिखने लगा है। अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों ने अमेरिकी प्रतिबंध के डर से काम करना बंद कर दिया है। इसका असर अडानी जैसी कंपनियों पर पडने लगा है। 1993 में वैश्विक अर्थव्यवस्था को लेकर सारी दुनिया के आर्थिक और सामाजिक विकास का जो ढांचा तैयार होने का सपना देखा गया था वह इतनी जल्दी बिखर जाएगा, इसका अंदाजा किसी को नहीं था। संयुक्त राष्ट्र संघ और सुरक्षा परिषद जैसी संस्थाएं कोई काम की नहीं रह जाएंगी, यह किसी ने सोचा नहीं था। जब सारी दुनिया संकट में फंसी हुई है इसके बाद भी कहीं से कोई आवाज नहीं निकल रही है। दुनिया के देशों में जिस तरह से महंगाई और पूंजीवाद के खिलाफ आवाज उठना शुरू हो गई है, समय रहते यदि इस ओर ध्यान नहीं दिया गया तो यह बगावत जैसी स्थिति पर पहुंच सकती है। एक बार भीड़ सड़कों पर आ गई तो मुसीबत होगी, भीड़ तंत्र को नियंत्रित करना बहुत मुश्किल होता है। समय रहते दुनिया के देशों को वैश्विक शांति बनाए रखने के लिए एक बार फिर विचार विमर्श करना होगा। यदि ऐसा नहीं हुआ तो लोग अब कहने लगे हैं एक बार फिर प्रथम एवं द्वितीय विश्व युद्ध के समय जो अराजकता की स्थिति थी वही स्थिति अब बनना शुरू हो गई है। यही सबसे बड़ी चिंता का विषय है।

लेखक– सनत जैन

रंगमंच का वो कबीर चला गया... अलविदा नाना

किताबों की बातें करने वाले, हमेशा दिल से जीने वाले नाना। इतने बड़े फनकार बने आप, पूरी दुनिया ने आपकी अदाकारी को सलाम किया और सम्पूर्ण अदाकार का खिताब दिया, लेकिन आप अपनी आखिरी सांस तक वही ठेठ गाँव के सीधे-सादे इंसान ही रहे। अपनी ही मस्ती में, अपनी ही रफ्तार से चलने वाले एक अलबेले मुसाफिर। जिसकी अपनी एक अलग ही दुनिया थी।

आपकी वो सादगी और बेलौस अंदाज ऐसा था कि बड़े से बड़े लोग आपके सामने मद्धम पड़ जाते थे। कमाल का था आपका रूतबा। जब दिल किया, किसी की भी खुलकर तारीफ कर दी और जब गुस्सा आया, तो सामने कोई भी हो, बिना डरे खरी-खरी सुना दी। आपका कोई तय ढर्रा या बंदिश नहीं थी, न किसी दल में न दलदल में। आपकी तो बस एक ही अपनी विचारधारा थी – प्रेम, सद्भाव और मानवता। इस बेढंगी दुनिया में एक शानदार इंसान रहे हैं आप। आपको एक अभिनेता से बढ़कर एक खरे इंसान के रूप में याद किया जाएगा। सचमुच आप सिनेमा के कबीर थे।

इतनी शोहरत और नेशनल अवॉर्ड्स जीतने के बाद भी आप अक्सर कितनी मासूमियत से कहते थे, यार, मुझे अच्छी हिंदी आती तो मैं बहुत अच्छा एक्टर बन जाता... मुझे गुस्सा बहुत आता है, मैं दिखने में भी अच्छा नहीं हूँ... लेकिन हाँ, कुछ करने का जज्बा है। यही जज्बा आपको सबसे अलग और एक नायाब शख्सियत बनाता था। विश्वसनीयता ऐसी थी कि लोग ऐसे बोलते थे जैसे आप देश के हर आदमी के अपने हैं जैसे हर कोई आपके साथ उठता-बैठता रहा हो कि यार नाना पाटेकर कभी झूठ नहीं बोल सकते।

निहायत ही ईमानदार आदमी, हमेशा बेबाक बोलना, दूसरों की दिल खोलकर तारीफ करना, और हमेशा सीखने की ललक इसी एटिट्यूड के साथ आप अभिनय के शिखर पर पहुंचे, आपका अभिनय कोई किताबी थ्योरी नहीं था, वो तो जिंदगी के कड़वे तजुर्बों की भट्टी में तपकर निकला हुआ सोना था। गमन से शुरू हुआ आपका ये सफर परिंदा, प्रहार, क्रांतिवीर और नटसम्राट जैसी बेहतरीन फिल्मों से गुजरते हुए भारतीय सिनेमा की सबसे ऊंची मिसाल बन गया। कैमरे के सामने आपकी खामोशी में भी एक अजीब सी चीख होती थी और जब आप दहाड़ते थे, तो थियेटर के परदे कांप उठते थे।

आपके वो कड़क डॉयलाग महज सिनेमा की लाइनें नहीं थे, वे इस समाज के दोगलेपन पर करारे तमाचे थे। जब आपने क्रांतिवीर में चीखकर कहा था, आ गए मेरी मौत का तमाशा देखने...! तो लगा था जैसे देश का हर आम आदमी इस खोखले सिस्टम के सामने अपनी बेबसी रो रहा है। और जब आपने अपने हाथ की नसें काटकर दिखाया, ये ले मुसलमान का खून, ये हिंदू का खून... बता इसमें मुसलमान का कौन सा, हिंदू का कौन सा...? तब मजहब की झूठी दीवारें एक झटके में ढह गई थीं। उन संवादों में कोई बनावटी शब्द नहीं थे, उसमें आम आदमी का लहू बोलता था। उस आवाज में एक अजीब सा जादू था, जो धमकी भी लगती थी, हंसी भी और सबसे बढ़कर—एक सच्चा कबूलनामा भी।

आपकी इसी बेलौस फितरत का एक वाकया पूरी दुनिया को हमेशा याद रहेगा। जब सरकार की तरफ से आपको देश के बड़े नागरिक सम्मान पद्म श्री देने का एलान हुआ, तो आपकी बेबाकी वहां भी सिर चढ़कर बोली। आपने बिना किसी हिचकिचाहट के सीधे पूछ लिया था, ये अवॉर्ड आखिर किस लिए दिया जा रहा है मुझे? वहां से जवाब आया कि आपने कला के जरिए समाज की बहुत सेवा की है, देश का नाम रोशन किया है। इस पर आपने जो जवाब दिया, उसने सबकी बोलती बंद कर दी थी। आपने मुस्कुराकर कहा था, अजी छोड़ो यार, ये कैसा सम्मान? मैंने जो भी काम किया, उसके बदले प्रोड्यूसर से पूरे पैसे वसूल किए हैं... जब काम के बदले दाम ले लिया, तो फिर ये समाजसेवा कैसी और ये सम्मान क्यों? ऐसी खरी और सच्ची बात कहना सिर्फ और सिर्फ आपके ही बस की बात थी।

खेत से खुद उगा कर खाना और मुंबई से कमाकर लाना और किसानों की मदद में लुटा देना। यार नाना, ये दिलदारी सिर्फ आपको ही आती थी। करोड़ों की गाड़ियाँ खरीदने की बजाय अपनी गाढ़ी कमाई का एक बड़ा हिस्सा चुपचाप तंगहाल किसानों की झोली में डाल देना, नाम फाउंडेशन बनाकर महाराष्ट्र के सूखे खेतों में ज़िंदगी की नई उम्मीद बोना। ये काम कोई मामूली एक्टर नहीं, सिर्फ एक रूहानी इंसान ही कर सकता था। आप हमेशा जमीन से जुड़े रहे, मुंबई की चकाचौंध के बीच रहकर भी अपनी फकीरी का दामन थामे रखा। आज रंगमंच का वो काबिले-तारीफ सितारा सच में टूट गया है। आप इस फानी दुनिया को अलविदा कहकर, उस पार के एक नए मंच की ओर निकल गए हैं। मौत का तमाशा देखने आई इस दुनिया को अपनी बेबाकी से निरुत्तर करके आप जा चुके हैं।यार नाना, आपकी ये बेलौस ईमानदारी, वो बेढंगा लेकिन खूबसूरत अंदाज बहुत याद आएगा। अलविदा नाना।

लेखक– दिलीप कुमार पाठक

(लेखक स्तंभकार हैं) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

आलेख

क्या बिहार की नियति बन चुका है बाढ़ का प्रकोप ?

पड़ोसी देश नेपाल और मध्य प्रदेश व उत्तर प्रदेश जैसे ऊपरी राज्यों में हुई भारी बारिश के बाद इन दिनों बिहार की गंडक, कोसी और गंगा समेत कई प्रमुख नदियों उफान पर हैं और बाढ़ का विकराल रूप धारण कर चुकी हैं। इस समय राज्य के 15 से अधिक जिले भीषण बाढ़ की चपेट में हैं और 50 लाख से अधिक की आबादी प्रभावित हो चुकी है। कई जगहों पर मुख्य व पुराने जमींदारी तटबंध टूटने के कारण सैकड़ों गाँवों में पानी भर गया है। राज्य के उत्तर-पश्चिमी और गंगा तटीय क्षेत्र इस समय सबसे गंभीर संकट का सामना कर रहे हैं। पश्चिम चंपारण, बगहा, बेतिया, पूर्वी चंपारण, मोतिहारी, गोपालगंज, सारण, छपरा और मुजफ़्फ़रपुर आदि क्षेत्र गंडक नदी की बाढ़ से प्रभावित हैं। बगहा में गंडक का पानी रिकॉर्ड स्तर पर पहुँच चुका है और अकेले बगहा में ही 24 घंटे में चार जगहों पर तटबंध टूटने से भारी तबाही हुई है। इसी तरह गंगा और सोन नदी में आई बाढ़ से पटना के दानापुर दियारा, गांधी घाट, बेगूसराय, भागलपुर के सुल्तानगंज, कहलगांव, खगड़िया, वैशाली, भोजपुर, लखीसराय, और बक्सर आदि क्षेत्र बुरी तरह प्रभावित हुये हैं। जबकि कोसी और बागमती नदी के कारण सुपौल, सहरसा, और मधेपुरा के निचले इलाके भी जलमग्न हो चुके हैं। तेज बहाव और उफनती नदियों के कारण छपरा जिले के सारण,मकेर और पानापुर प्रखंडों में मुख्य बांध टूटने से पानी तेजी से कर्चौलिया, अमनौर, जगदीशपुर, परसा जैसे नए रिहाइशी इलाकों की तरफ बढ़ रहा है और इन इलाकों में मिट्टी का भारी कटान हो रहा है। जबकि गोपालगंज के शीतलपुर में जमींदारी बांध टूटने से गंडक नदी का तेज बहाव आसपास के सात गांवों की जमीनों को तेजी से काट रहा है। इसी तरह पश्चिम चंपारण के योगापट्टी और मधुबनी ब्लॉक के सिसवा कुटी क्षेत्र में गंडक नदी का भयानक कटान जारी है, जहां पूरी की पूरी जमीन नदी में समाती जा रही है। उधर भागलपुर के ममलखा गाँव और पटना के दानापुर दियारा क्षेत्र में गंगा नदी के किनारे भीषण कटान हो रहा है, जिससे किनारे बसे गांवों का वजूद ही खतरे में पड़ गया है। कुछ इलाकों में तीन फीट तक, जबकि निचले हिस्सों में छह से आठ फीट तक पानी जमा होने की खबर है।

राज्य के 250 से अधिक गाँवों के भीतर कई-कई फीट पानी भर चुका है, जिससे हजारों मकान डूब गए हैं। भागलपुर के ममलखा और छपरा के हजलपुर जैसे गांवों से दिल दहला देने वाले वीडियो सामने आए हैं, जहाँ तेज बहाव और भीषण भू कटान के चलते दो-दो मंजिला पक्के मकान ताश के पत्तों की तरह ढहकर कुछ ही सेकंडों में नदी में विलीन होते देखे गए। लाखों लोग अपने घर छोड़कर ऊंचे स्थानों और बांधों पर तिरपाल लगाकर रहने को मजबूर हैं। इसी तरह हजारों एकड़ में लगी और तैयार धान, मक्का और सब्जियों की फसलें पूरी तरह पानी में डूबकर नष्ट हो चुकी हैं। बाढ़ के कारण किसानों की आजीविका पूरी तरह ठप हो गई है। हालांकि आधिकारिक तौर पर तो नुकसान का सटीक वित्तीय मूल्यांकन बाढ़ का पानी उतरने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा परन्तु शुरूआती रिपोर्ट्स के मुताबिक नुकसान बेहद व्यापक है। 50 लाख से अधिक लोग इस आपदा से सीधे तौर पर प्रभावित हैं। विभिन्न जिलों में पानी में डूबने की घटनाओं के कारण अब तक कई लोगों की जान जा चुकी है। इसके अलावा, पशुपालन विभाग के अनुसार, लगभग 70,000 मवेशी प्रभावित हुए हैं और उनके लिए चरागाह तथा चारे की भी गंभीर समस्या खड़ी हो गई है। उधर छपरा और उत्तर बिहार के अन्य हिस्सों में राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच 722 पर 7 से 8 फीट तक पानी बहने के कारण परिवहन और संपर्क पूरी तरह टूट गया है। ग्रामीण सड़कें, छोटे पुल-पुलिया और बिजली के बुनियादी ढांचे बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुए हैं।

बिहार में लगभग प्रत्येक वर्ष आने वाली बाढ़ और जल प्रलय राज्य के लिये हमेशा ही एक गंभीर और संवेदनशील मुद्दा है। इसमें भौगोलिक कारणों के साथ-साथ प्रशासनिक व्यवस्था और नीतियों की भी बड़ी भूमिका रही है। इस समस्या के पीछे सरकार की जिम्मेदारी और कथित भ्रष्टाचार को लेकर विभिन्न राजनीतिक दलों, सामाजिक कार्यकताओं और विशेषज्ञों के अलग-अलग दृष्टिकोण हैं। विपक्षी नेताओं और सामाजिक कार्यकताओं का आरोप है कि सरकार बाढ़ प्रबंधन में पूरी तरह दीर्घकालिक योजना बनाने में विफल रही है। नदियों में वर्षों से जमा हो रही गाद को निकालने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए जाते जिससे नदियों का तल ऊंचा हो गया है और उनकी पानी सोखने की क्षमता कम हो गई है। जबकि आलोचक मानते हैं कि केवल नए तटबंध बनाना ही समाधान नहीं है, क्योंकि वे पानी के प्राकृतिक प्रवाह को रोकते हैं। दशकों से कोसी या अन्य नदियों पर उच्च बांध बनाने की दिशा में नेपाल सरकार के साथ कोई ठोस अंतरराष्ट्रीय सहमति पाना भी इस समस्या के मुख्य कारणों में एक है। उधर वर्तमान एनडीए सरकार और जल संसाधन विभाग के अधिकारियों का तर्क है कि बिहार की बाढ़ एक प्राकृतिक और भौगोलिक आपदा है जो मुख्य रूप से नेपाल में होने वाली अत्यधिक भारी बारिश और वहां से अचानक छोड़े जाने वाले पानी पर निर्भर करती है। सरकार के अनुसार जल संसाधन विभाग हर साल बाढ़ नियंत्रण, तटबंधों की मरम्मत और कटाव रोकने के लिए हजारों करोड़ रुपये का बजट आवंटित करता है।

इसके साथ ही बिहार में बाढ़ नियंत्रण और राहत फंड में भ्रष्टाचार के आरोप भी दशकों से एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा रहे हैं। विपक्ष, स्थानीय नागरिकों और पत्रकारों द्वारा अक्सर आरोप लगाए जाते हैं कि बाढ़ नियंत्रण के नाम पर मिलने वाले टेंडर और मरम्मत कार्यों में भारी वित्तीय अनियमितताएं होती हैं। कई बार मानसून से ठीक पहले आनन-फानन में मिट्टी और सैंडबैग लगाने का काम केवल कागजों पर या फिर बेहद कमजोर तरीके से किया जाता है, जो पानी के पहले बहाव में ही बह जाता है। विशेषज्ञों और स्थानीय लोगों के अनुसार, हर साल तटबंधों के टूटने के पीछे घटिया निर्माण सामग्री और रखरखाव में होने वाली लापरवाही इसकी मुख्य वजह है। हाल ही में सारण और सीतामढ़ी जैसे जिलों में बांध टूटने के बाद स्थानीय जनता द्वारा कड़ा विरोध दर्ज कराया गया है। इतना ही नहीं बल्कि बाढ़ पीड़ितों को मिलने वाले नकद मुआवजे जैसे प्रति परिवार मिलने वाली नकद राशि और अनाज वितरण में भी जमीनी स्तर पर बिचौलियों और स्थानीय प्रशासन द्वारा धांधली की शिकायतें अक्सर सामने आती हैं। सत्ता पक्ष यह कहकर अपनी जिम्मेदारी से बचने की कोशिश करता है कि पूर्ववर्ती सरकारों के कार्यकाल में अर्थात 2005 से पहले आपदा प्रबंधन के नाम पर भारी लूट होती थी, जिसे वर्तमान सरकार ने पूरी तरह से डिजिटल और पारदर्शी बनाकर सुधारा है। बहरहाल इन राजनैतिक आरोपों प्रत्यारोपों का भुगतान उस जनता को करना पड़ता है जोकि अपने घरों,खेतों व फसलों को तबाह व बर्बाद होते हुये देखने को मजबूर रहती है और शायद यह स्वीकार कर चुकी है कि बाढ़ का प्रकोप बिहार की नियति बन चुका है।

लेखिका– निर्मल रानी

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

रघुबीर नगर में अतिक्रमण पर चला बुलडोजर, 42 ढांचे ध्वस्त

नई दिल्ली, 09 अक्टूबर (वेब वार्ता)। पश्चिमी दिल्ली के रघुबीर नगर इलाके में शुक्रवार को दिल्ली नगर निगम ने दिल्ली पुलिस के सहयोग से अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। निगम की टीम ने नाले के ऊपर बने 42 अवैध ढांचों को ध्वस्त कर 505 वर्गमीटर भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया। इस कार्रवाई का उद्देश्य पुराने नाले के स्थान पर नए नाले के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करना था।

निगम प्रशासन की यह कार्रवाई रघुबीर नगर के बी-1 और के ब्लॉक में की गई। अधिकारियों के अनुसार, नाले के ऊपर बड़ी संख्या में बहुमंजिला ढांचे बनाए जाने के कारण निर्माण कार्य में बाधा आ रही थी। ऐसे में निगम के पश्चिमी क्षेत्र की टीम ने पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की।

निगम अधिकारियों के मुताबिक, रघुबीर नगर वार्ड में पुराने नाले के स्थान पर नए नाले का निर्माण कराया जाना है। इसके लिए निगम को सीएमडीएफ निधि से धनराशि उपलब्ध कराई गई है। हालांकि, नाले के ऊपर और उसके आसपास बने अवैध ढांचों के कारण निर्माण कार्य आगे बढ़ाने में परेशानी हो रही थी। अतिक्रमण के चलते नाले के निर्माण और जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने की योजना प्रभावित हो रही थी।

नोटिस के बाद भी नहीं हटाए गए निर्माण

प्रशासन की ओर से अतिक्रमण हटाने के लिए संबंधित लोगों को कई बार नोटिस जारी किए गए थे। इसके बावजूद कथित अवैध निर्माण नहीं हटाए गए। इसके बाद शुक्रवार को निगम ने पुलिस की सहायता से ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की। इस दौरान नाले के ऊपर बने लगभग 42 ढांचे हटाए गए और 505 वर्गमीटर भूमि खाली कराई गई।

अधिकारियों के अनुसार, पूरी कार्रवाई निगम के पश्चिमी क्षेत्र के क्षेत्रीय कर्मचारियों और दिल्ली पुलिस के समन्वय से की गई। प्रशासन ने बताया कि अभियान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ और अतिक्रमण हटने से नाले के निर्माण का रास्ता साफ हुआ है।

कार्रवाई से स्थानीय निवासियों में नाराजगी

वहीं, इस कार्रवाई को लेकर स्थानीय निवासियों ने निगम प्रशासन पर सवाल उठाए। लोगों का कहना था कि संबंधित स्थान पर कई परिवार लंबे समय से रह रहे थे और ढांचों को हटाए जाने के बाद उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। स्थानीय लोगों ने कार्रवाई के दौरान अपने रहने की व्यवस्था को लेकर चिंता जताई।

नए नाले के निर्माण पर रहेंगी निगाहें

अतिक्रमण हटाए जाने के बाद अब क्षेत्र में नए नाले के निर्माण कार्य को आगे बढ़ाने का रास्ता खुल गया है। इस परियोजना का उद्देश्य क्षेत्र में नाले की व्यवस्था को बेहतर बनाना और निर्माण कार्य में आ रही बाधाओं को दूर करना है। हालांकि, कार्रवाई से प्रभावित स्थानीय निवासियों की समस्याओं और उनकी पुनर्व्यवस्था को लेकर उठाए गए सवाल भी महत्वपूर्ण बने हुए हैं। निगम प्रशासन की ओर से प्रभावित परिवारों के संबंध में किसी विशेष पुनर्वास व्यवस्था की जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई है।

संक्षिप्त वार्ता

13 साल से फरार घोषित अपराधी सबीर खान गिरफ्तार

नई दिल्ली, 09 अक्टूबर (वेब वार्ता)। बाहरी दिल्ली में आउटर नार्थ जिला पुलिस की एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वाड (एएटीएस) ने घोषित अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक घोषित अपराधी को गिरफ्तार किया है। आरोपी वर्ष 2013 के एक मामले में अदालत द्वारा घोषित अपराधी घोषित था और गिरफ्तारी से बचने के लिए बार-बार अपने ठिकाने बदल रहा था। इसकी पहचान सबीर खान (39) के रूप में हुई है। वह सिरसपुर दिल्ली का रहने वाला है। आरोपी पर धारा 363 आईपीसी के तहत थाना शालीमार बाग में वर्ष 2013 में एफआईआर दर्ज है। पुलिस के मुताबिक उसके खिलाफ पहले से भी दो मामले दर्ज हैं।

दिल्ली में विपक्ष के प्रदर्शन के मद्देनजर रेलवे का एहतियाती कदम, कई ट्रेनें रद्द

नई दिल्ली, 09 अक्टूबर (वेब वार्ता)। दिल्ली में 10 अक्टूबर को विपक्षी दलों के प्रस्तावित प्रदर्शन के मद्देनजर रेलवे ने यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए एहतियाती कदम उठाया है। नई दिल्ली और हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन के आसपास सुबह चार बजे से दोपहर दो बजे तक सड़क यातायात प्रभावित होने की आशंका जताई गई है। इसे देखते हुए रेलवे ने कुछ मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों को उनके शुरूआती स्टेशन से ही रद्द करने का निर्णय लिया है। रेलवे के अनुसार, खुफिया सूचनाओं और यातायात परामर्श के आधार पर मध्य दिल्ली में प्रस्तावित विरोध-प्रदर्शन के कारण दोनों प्रमुख रेलवे स्टेशनों के आसपास भारी जाम लगने की आशंका है। इससे यात्रियों को समय पर स्टेशन पहुंचने में परेशानी हो सकती है।

दिल्ली पुलिस ने नागरिकों के लिए लिखी खुली चिट्ठी

नई दिल्ली, 09 अक्टूबर (वेब वार्ता)। राजधानी में चल प्रदर्शनों और विश्व पोस्ट दिवस के अवसर पर दिल्ली पुलिस ने हर नागरिक को एक भावुक खुला पत्र लिखा है। इस पत्र में जहां पुलिस ने कहा है कि नागरिकों की रक्षा करना उसका फर्ज है, वहीं उन्होंने यह भी लिखा है कि एक वर्दी के पीछे भी इंसान होता है, जिसका एक परिवार होता है। दिल्ली पुलिस के आधिकारिक एक्स अकाउंट पर साझा किए गए इस पत्र में कहा गया है, 'प्रिय नागरिक, आपकी आवाज आपका हक है, और आपकी सुरक्षा हमारा फर्ज। यूनिफॉर्म के पीछे भी एक इंसान है, जिसका अपना परिवार है, अपने लोग हैं। फर्क सिर्फ यूनिफॉर्म का है, इंसानियत का नहीं। विद केयर, दिल्ली पुलिस।'

ट्रेन-मेट्रो पाबंदियों पर सीजेपी नेताओं के तंज, मोदी पर साधा निशाना

नई दिल्ली, 09 अक्टूबर (वेब वार्ता)। दिल्ली में 10 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर प्रस्तावित कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के विरोध प्रदर्शन से पहले रेलगाड़ियों और मेट्रो स्टेशनों पर लगाई गई पाबंदियों को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। सीजेपी के प्रमुख अभिजीत दीपके और उनके सहयोगियों सौरभ दास तथा आशुतोष रांका ने एक वीडियो साझा कर इन प्रतिबंधों पर व्यंग्य किया।

तीनों नेताओं ने ठहाके लगाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा और कहा कि उन्हें समय-समय पर अपना रक्तचाप जांचते रहना चाहिए। सीजेपी नेताओं की ओर से साझा किए गए वीडियो में दिल्ली में रेलगाड़ियों के निरस्तीकरण और 57 मेट्रो स्टेशनों के प्रवेश द्वार बंद रखने संबंधी निर्णयों पर प्रतिक्रिया दी गई।

वीडियो में अभिजीत दीपके ने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि प्रदर्शन से पहले रेल सेवाएं बंद कर दी गई हैं। इस दौरान सौरभ दास और आशुतोष रांका भी उनके साथ दिखाई दिए।

नई दिल्ली में धारा 163 लागू

नई दिल्ली, 09 अक्टूबर (वेब वार्ता)। कॉकरोच जनता पार्टी के 10 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने के एलान के मद्देनजर दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा के बेहद कड़े बंदोबस्त किए हैं। सीजेपी संगठन और आम आदमी पार्टी के एक भी नेताओं और समर्थकों को नई दिल्ली जिले में प्रदर्शन करने की इजाजत नहीं दी जाएगी।

7 अक्टूबर को मिला था लेटर

दिल्ली पुलिस के मुताबिक, 7 अक्टूबर को सीजेपी नेता सौरभ दास की तरफ से एक लेटर मिला था, जिसमें लिखा था कि वो 10 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर प्रोटेस्ट करेंगे। दिल्ली पुलिस का कहना है कि यह लेटर करीब 10 दिन पहले देना चाहिए था और पहले भी प्रोटेस्ट के दौरान नियमों का पालन नहीं किया गया था। उन्होंने लिखकर भी दिया था कि नियमों का पालन नहीं किया गया था। लिहाजा उन्हें इसकी परमिशन नहीं दी गई। संयुक्त आयुक्त नई दिल्ली रेंज नूपुर प्रसाद के अनुसार, नई दिल्ली में धारा 163 लागू है। अगर कोई धारा 163 का पालन नहीं करता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बृहस्पतिवार रात से ही दिल्ली पुलिस ने पूरी दिल्ली में नेताओं और उनके एक्टिव समर्थकों को हिरासत में लेना शुरू कर दिया है। यमुनापार के तीन जिले, साउथ और साउथ ईस्ट के अलावा आउटर नॉर्थ के जिले से बड़ी संख्या में लोगों को पुलिस ने एहतियातन हिरासत में ले लिया है। सौरभ दास और सौरभ भारद्वाज ने कल से एक्स पर पोस्ट कर अपने-अपने समर्थकों को हिरासत में लेने का दावा किया है।

सीजेपी प्रोटेस्ट से पहले दिल्ली पुलिस के अफसरों की छुट्टियां कैंसिल

अगले आदेश तक लागू रहेगी व्यवस्था

नई दिल्ली, 09 अक्टूबर (वेब वार्ता)। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के 10 अक्टूबर को दिल्ली में जंतर-मंतर पर प्रस्तावित प्रोटेस्ट को लेकर दिल्ली पुलिस ने एक बड़ा निर्णय लिया है। दिल्ली पुलिस ने 8 अक्टूबर से अगले आदेश तक के लिए सभी रैंक के अधिकारियों और कर्मचारियों की छुट्टियां रद कर दी है। इस दौरान किसी को भी छुट्टी नहीं दी जाएगी। पुलिस के अनुसार, छुट्टियां केवल असाधारण आपातकालीन मामलों में ही मंजूर की जा सकती हैं, जिन्हें मंजूरी देने वाले अधिकारी द्वारा प्रमाणित और स्वीकृति किया गया हो। सभी मंजूरी देने वाले अधिकारियों से अनुरोध किया गया है कि वे सावधानीपूर्वक अनुपालन सुनिश्चित करें। इसके अलावा, कोई भी पुलिसकर्मी अगले आदेश तक दिल्ली के योग्य पुलिस आयुक्त की मंजूरी के बिना डीपीए में प्रशिक्षण के अलावा किसी भी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में भाग नहीं लेंगे। इनके अलावा कोई भी छुट्टी मंजूर नहीं की जाएगी।

25 एफआईआर दर्ज

दिल्ली पुलिस के अनुसार, दिल्ली में धारा 163 का उल्लंघन करने पर बीते 2 अक्टूबर से 8 अक्टूबर तक 25 एफआईआर दर्ज की गई है। वहीं, दिल्ली पुलिस ने सीजेपी के प्रस्तावित प्रोटेस्ट को लेकर राजधानी में नाकेबंदी कर दी है। दिल्ली की चारों सीमाओं पर पुलिस की तैनाती की गई है। दिल्ली के सभी थानों की पुलिस सूचित किया है कि वे अपने-अपने इलाके में मंदिर, मस्जिद आदि हर जगह जाकर लोगों से मिले और उन्हें जंतर-मंतर पर न आने और कोई भी गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल न होने की बात समझाए।

जेएनयू की बड़ी कार्रवाई; 11 छात्राओं से यौन उत्पीड़न के आरोपी प्रोफेसर बर्खास्त

नई दिल्ली, 09 अक्टूबर (वेब वार्ता)। जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी यानी जेएनयू ने यौन उत्पीड़न के आरोपी प्रोफेसर अंगोमचा बिमोल अकोइजम को जांच के बाद नौकरी से निकाल दिया है। यूनिवर्सिटी की 11 छात्राओं ने प्रोफेसर पर यौन उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाए थे। छात्राओं ने आंतरिक शिकायत समिति में शिकायत दर्ज कराई थी। दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) ने भी मामले का स्वतः संज्ञान लिया था। डीसीडब्ल्यू ने इस मामले में जेएनयू प्रशासन से रिपोर्ट भी मांगी थी।

सरकार पूरे देश को बंद कर दे : दीपके

नई दिल्ली, 09 अक्टूबर (वेब वार्ता)। दिल्ली आने वाली कई ट्रेन के रद्द होने पर सीजेपी संस्थापक अभिजीत दीपके ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। मुंबई में शुक्रवार को उन्होंने कहा कि अगर सरकार युवाओं से डरती है तो उसे पूरा देश बंद कर देना चाहिए। सीजेपी ने शनिवार को जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन करने का ऐलान किया है। सीजेपी मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रही है। आरोप है कि निर्वाचन आयोग द्वारा एसआईआर में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं हुई हैं।

धरने प्रदर्शन ने बढ़ाई दिल्ली के व्यापारियों की चिंता

नई दिल्ली, 09 अक्टूबर (वेब वार्ता)। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने राजधानी में लगातार हो रहे बड़े धरना-प्रदर्शनों के चलते कारोबार प्रभावित होने पर चिंता जताई है। सीटीआई अध्यक्ष ने इसे लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखा है।

उन्होंने कहा है कि धरना-प्रदर्शन के चलते त्योहारों के समय बाजार में कारोबार पर असर पड़ रहा है। उन्होने आगामी दीपावली तक दिल्ली में धरना-प्रदर्शन पर रोक लगाने की मांग की है। सीटीआई के चेयरमैन बृजेश गोयल ने दिल्ली के प्रमुख क्षेत्रों में बड़े प्रदर्शनों पर नियंत्रण और वैकल्पिक व्यवस्था की मांग की है। उनका कहना है कि 11 अक्तूबर से शारदीय नवरात्रि और रामलीलाएं शुरू हो रही हैं। उसके बाद दिवाली तक लगातार त्योहार हैं। यह दिल्ली के व्यापार का सबसे बड़ा सीजन है। इसलिए सीटीआई मांग करता है कि नवरात्रि से दिवाली तक दिल्ली के प्रमुख बाजारों, जंतर मंतर, संसद मार्ग और लुटियंस दिल्ली में किसी भी बड़े धरने-प्रदर्शन पर पूरी तरह रोक लगाई जाए, ताकि 15 लाख व्यापारियों का त्योहारी कारोबार बचाया जा सके।

सरकारी वकीलों के लिए बायोमेट्रिक हाजिरी अनिवार्य नहीं

नई दिल्ली, 09 अक्टूबर (वेब वार्ता)। हाईकोर्ट ने सरकारी वकीलों के लिए आधार आधारित बायोमेट्रिक हाजिरी अनिवार्य करने के दिल्ली सरकार के अभियोजन निदेशालय के आदेश पर रोक लगा दी है।

न्यायमूर्ति अमित महाजन की पीठ ने दिल्ली प्रॉसिक्यूटर्स वेलफेयर एसोसिएशन की याचिका पर यह आदेश पारित किया है। केन्द्र सरकार ने दलील दी थी कि अभियोजन अधिकारियों की जिम्मेदारियां केवल कार्यालय तक सीमित नहीं होती। उन्हें अदालतों में पेश होने के साथ-साथ जेलों, पुलिस थानों व फॉरेंसिक साइंस लैब में भी जाना पड़ता है। ऐसे में तय कार्यालयी समय के अनुसार हाजिरी दर्ज करने की अनिवार्यता उनके कामकाज में बाधा डाल सकती है।

अभियोजन निदेशालय ने 5 अक्तूबर को जारी आदेश में मुख्य लोक अभियोजकों, अतिरिक्त लोक अभियोजकों व सहायक लोक अभियोजकों को आधार सक्षम बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली पर पंजीकरण कराने और रोजाना हाजिरी दर्ज करने का निर्देश दिया था। इसके लिए बायोमेट्रिक मशीन या चेहरे की पहचान करने वाले मोबाइल ऐप का इस्तेमाल किया जाना था। आदेश में यह भी कहा गया था कि निर्देशों का पालन नहीं करने पर संबंधित नियमों के तहत कार्रवाई की जा सकती है।

दिल्ली प्रॉसिक्यूटर्स वेलफेयर एसोसिएशन ने इस आदेश के साथ अनिवार्य बायोमेट्रिक हाजिरी से जुड़े पहले के परिपत्रों को भी चुनौती दी थी। पीठ ने अब आधार आधारित बायोमेट्रिक हाजिरी अनिवार्य करने वाले आदेश पर रोक लगाई गई है।

ब्रिगेडियर उस्मान की शहादत को सलाम

नई दिल्ली। देश की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले नौशेरा के शेर शहीद ब्रिगेडियर मोहम्मद उस्मान की स्मृति को समर्पित कॉरपोरेट क्रिकेट टूनार्मेंट का आयोजन जामिया मिल्लिया इस्लामिया और शेक हैंड फाउंडेशन के संयुक्त प्रयास से किया जा रहा है। 2 अक्टूबर से शुरू हुआ यह टूनार्मेंट 19 अक्टूबर को फाइनल मुकाबले के साथ संपन्न होगा। प्रतियोगिता में कई नामचीन और प्रभावशाली टीमें हिस्सा ले रही हैं।

शेक हैंड फाउंडेशन के अध्यक्ष सैयद अब्दुल रशीद ने कहा कि ब्रिगेडियर मोहम्मद उस्मान का देश के प्रति योगदान और उनका सर्वोच्च बलिदान भारतीय इतिहास की अमूल्य धरोहर है, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। उनकी स्मृति में टूनार्मेंट आयोजित करने का उद्देश्य नई पीढ़ी को उनके अदम्य साहस, देशभक्ति और राष्ट्र के प्रति समर्पण से परिचित कराना है।

उन्होंने आयोजन में जामिया मिल्लिया इस्लामिया के कुलपति प्रोफेसर मजहर के विशेष योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि खेल के माध्यम से राष्ट्रीय नायकों को याद करना और युवाओं में देशभक्ति व एकता की भावना मजबूत करना इस पहल का महत्वपूर्ण उद्देश्य है।

गौरतलब है कि ब्रिगेडियर मोहम्मद उस्मान ने 1947-48 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान अद्वितीय वीरता का परिचय दिया था। जुलाई 1948 में देश की रक्षा करते हुए शहीद हुए ब्रिगेडियर उस्मान को मरणोपरांत महावीर चक्र से सम्मानित किया गया। उनकी शहादत आज भी देशभक्ति, साहस और राष्ट्रसेवा की प्रेरणादायक मिसाल है।

दिल्ली के प्रेम नगर में तालाब में मिला 7 साल के मासूम का शव, दूसरे भाई की तलाश जारी

नई दिल्ली, 09 अक्टूबर (वेब वार्ता)। राजधानी दिल्ली के प्रेम नगर थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां एक पुराने तालाब में सात वर्षीय मासूम बच्चे का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि दोनों बच्चे सगे भाई थे और गुरुवार दोपहर घर से निकले थे, लेकिन वापस नहीं लौटे। इसके बाद परिजनों ने पुलिस में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी।

जानकारी के मुताबिक, प्रेम नगर इलाके में स्थित पुराने तालाब में एक बच्चे का शव पानी में तैरता दिखाई दिया। राहगीर की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद फायर ब्रिगेड की मदद से शव को गहरे पानी से बाहर निकाला गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए संजय गांधी अस्पताल भेज दिया है।

परिजनों ने दोनों बच्चों की तलाश के लिए आसपास के इलाकों में पोस्टर भी लगाए थे। घटना के बाद परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं, दूसरे बच्चे का पता लगाने के लिए तालाब में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, तालाब काफी पुराना है और यहां लंबे समय से पानी भरा रहता है। यहां लोग मछली पकड़ने आते हैं और कुछ बच्चे नहाने के लिए भी तालाब में उतरते हैं। फिलहाल, दूसरे बच्चे की तलाश जारी है। दोनों बच्चे तालाब तक कैसे पहुंचे और हादसा किन परिस्थितियों में हुआ, इसका पता पुलिस जांच के बाद ही चल सकेगा। इससे पहले, गुरुवार को दिल्ली से सटे नोएडा के थाना सेक्टर-39 क्षेत्र में एक व्यक्ति का शव नाले से बरामद किया गया। पता चला कि सेक्टर-81 मेट्रो स्टेशन के पास व्यक्ति ने नशे की हालत में नाले में छलांग लगाई थी।

दिल्ली पुलिस ने दो अक्टूबर से अब तक प्रदर्शनों को लेकर 25 प्राथमिकी दर्ज कीं; राहुल, प्रियंका नामजद

नई दिल्ली, 09 अक्टूबर (वेब वार्ता)। दिल्ली पुलिस ने दो अक्टूबर से अब तक राष्ट्रीय राजधानी में हुए विरोध प्रदर्शनों से संबंधित 25 प्राथमिकियां दर्ज की हैं और इनमें नामजद लोगों में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा भी शामिल हैं। सूत्रों ने यह जानकारी दी। ये मामले सार्वजनिक संपत्ति को कथित तौर पर नुकसान पहुंचाने, पुलिसकर्मियों पर हमले और हाथापाई, सरकारी काम में बाधा डालने और नई दिल्ली जिले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत लागू निषेधाज्ञा के उल्लंघन से संबंधित हैं। एक पुलिस सूत्र ने बताया कि प्रदर्शनों के दौरान कथित अराजकता की बार-बार होने वाली घटनाओं के बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कार्रवाई की है।

सीईसी के खिलाफ प्रदर्शन से जुड़ी यूथ कांग्रेस की याचिका पर तत्काल सुनवाई से दिल्ली हाईकोर्ट का इनकार

नई दिल्ली, 09 अक्टूबर (वेब वार्ता)। दिल्ली हाई कोर्ट ने शुक्रवार को भारतीय यूथ कांग्रेस (आईवाईसी) की याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया।

यूथ कांग्रेस ने जंतर-मंतर पर मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन करने की इजाजत न देने के दिल्ली पुलिस के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी है।

वरिष्ठ अधिवक्ता संजय घोष ने शुक्रवार को दिल्ली हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नितिन वासुदेव सांबरे के समक्ष मामला उठाया और याचिका पर तत्काल सुनवाई की मांग की थी। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नितिन वासुदेव सांबरे ने तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया। हालांकि, उन्होंने मामले को सोमवार के लिए सूचीबद्ध किया है। संजय घोष ने कहा, उन्होंने पिछले दिन भी इस मामले का जिक्र किया था और कोर्ट ने उन्हें आज फिर से जिक्र करने की इजाजत दी थी, अगर इसे लिस्ट नहीं किया गया हो। इस पर मुख्य न्यायाधीश सांबरे ने कहा, इसमें क्या जल्दबाजी है? हम सोमवार को इसकी सुनवाई करेंगे।

यह याचिका भारतीय यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब की ओर से दायर की गई। उन्होंने दिल्ली पुलिस के 1 अक्टूबर के उस आदेश को चुनौती दी, जिसमें उनकी अर्जी खारिज कर दी गई थी। याचिका के अनुसार, यूथ कांग्रेस ने 25 सितंबर को लगभग 100-150 लोगों के साथ शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने की इजाजत मांगी थी। संगठन ने कहा था कि वह सुरक्षा, ट्रैफिक मैनेजमेंट, अनुशासन और कानून-व्यवस्था बनाए रखने से जुड़ी सभी कानूनी शर्तों का पालन करने के लिए तैयार है।

याचिका में कहा गया कि बार-बार फॉलो-अप करने के बावजूद पुलिस ने अर्जी खारिज करने की जानकारी एक अक्टूबर को दी, जो प्रदर्शन की प्रस्तावित पहली तारीख भी थी। याचिका के अनुसार, पुलिस का यह फैसला संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ए) और 19(1)(बी) के तहत बोलने और अभिव्यक्ति की आजादी व शांतिपूर्ण सभा करने के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। याचिका में विरोध-प्रदर्शनों और सभाओं से जुड़े दिशानिर्देशों के यांत्रिक तरीके से लागू करने को चुनौती दी गई।

महुआ मोइत्रा के सुझाव पर सीजेपी सहमत, रांका बोले- अच्छा विचार

नई दिल्ली, 09 अक्टूबर (वेब वार्ता)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रस्तावित प्रदर्शन पर सियासी हलचल तेज हो गई है।

दिल्ली पुलिस द्वारा 10 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की अनुमति नहीं दिए जाने के बाद तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने प्रदर्शन की तारीख आगे बढ़ाने का सुझाव दिया। सीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता और सह-संयोजक आशुतोष रांका ने इस सुझाव पर सहमति जताते हुए इसे अच्छा विचार बताया।

महुआ मोइत्रा ने तारीख बदलने का दिया सुझाव

महुआ मोइत्रा ने सामाजिक माध्यम पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यदि सीजेपी को 10 अक्टूबर को प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी जाती है, तो उसे 11, 12 या 13 अक्टूबर को अनुमति दी जा सकती है। उन्होंने सवाल उठाया कि सरकार आखिर कब तक प्रदर्शन के कारण दिल्ली को बंद रखेगी। उनकी टिप्पणी के बाद सीजेपी की ओर से भी प्रतिक्रिया सामने आई।

आशुतोष रांका ने कहा- अच्छा विचार

महुआ मोइत्रा के सुझाव पर प्रतिक्रिया देते हुए आशुतोष रांका ने इसे अच्छा विचार बताया। उनके बयान से संकेत मिला कि प्रदर्शन की तारीख को लेकर वैकल्पिक संभावनाओं पर चर्चा हो सकती है। हालांकि, प्रदर्शन की नई तारीख और उसके लिए पुलिस की अनुमति को लेकर किसी अंतिम निर्णय की जानकारी सामने नहीं आई है।

प्रदर्शन की अनुमति नहीं मिलने पर विवाद

दिल्ली पुलिस ने सीजेपी को 10 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी है। पुलिस के अनुसार, प्रदर्शन के लिए आवेदन बहुत कम समय पहले दिया गया था, जबकि निर्धारित प्रक्रिया के तहत कम से कम 10 दिन पहले सूचना देना आवश्यक है।

सीजेपी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रही है। पार्टी का आरोप है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण में अनियमितताएं हुई हैं। इन्हीं आरोपों को लेकर पार्टी ने विरोध प्रदर्शन की घोषणा की थी।

पटना के लिए चलेगी विशेष रेलगाड़ी

नई दिल्ली, 09 अक्टूबर (वेब वार्ता)। त्योहारों के समय यात्रियों की सुविधा के लिए नई दिल्ली से पटना जंक्शन के बीच विशेष रेलगाड़ी का परिचालन किया जाएगा। गाड़ी संख्या 04088 नई दिल्ली से प्रतिदिन (10 अक्तूबर से 30 नवंबर तक) दोपहर 3.50 बजे चलकर अगली दोपहर 12.45 बजे पटना पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 04087 पटना जंक्शन से प्रतिदिन (11 अक्तूबर से 1 दिसंबर तक) दोपहर 3.10 बजे चलकर अगली दोपहर 1.30 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी।

जीटीबी एन्क्लेव इलाके में पुलिस ने 24 घंटे के अंदर स्नैचिंग का मामला सुलझाया, दो आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, 09 अक्टूबर (वेब वार्ता)। दिल्ली के जीटीबी एन्क्लेव इलाके में पुलिस को स्नैचिंग के एक मामले में बड़ी कामयाबी मिली है। घटना के 24 घंटे के भीतर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। अपराध में इस्तेमाल की गई चोरी की मोटरसाइकिल और घटना के समय आरोपियों की ओर से पहने गए कपड़े भी बरामद कर लिए गए हैं। दिल्ली पुलिस ने बताया कि 4 अक्टूबर को एक महिला शिकायतकर्ता ने बताया कि जब वह सब्जी खरीद रही थी, तो मोटरसाइकिल पर सवार दो लोगों ने उसकी सोने की चेन छीन ली और मौके से भाग गए। सूचना मिलने पर, जीटीबी एन्क्लेव पुलिस स्टेशन में तुरंत मामला दर्ज किया गया और आरोपियों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने की कोशिशें शुरू की गईं।

दिल्ली में 34 आईएएस, दानिक्स अधिकारियों के तबादले

नई दिल्ली, 09 अक्टूबर (वेब वार्ता)। दिल्ली सरकार ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) और दिल्ली, अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह सिविल सेवा (दानिक्स) के 34 अधिकारियों के तबादले कर दिये हैं।

दिल्ली सरकार के कार्मिक विभाग ने उपराज्यपाल की मंजूरी से दिनांक 8 अक्टूबर को जारी आदेश के तहत 34 अधिकारियों की जिम्मेदारियों में फेरबदल किया है। कई वरिष्ठ अधिकारियों को अतिरिक्त विभागों का प्रभार सौंपा गया है, जबकि कुछ अधिकारियों के मौजूदा दायित्वों में बदलाव किया गया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा। आदेश के अनुसार, 1992 बैच के आईएएस अधिकारी बिपुल पाठक को अतिरिक्त मुख्य सचिव (समाज कल्याण) के साथ दिल्ली सहकारी आवास वित्त निगम, दिल्ली अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक वित्त एवं विकास निगम तथा महिला एवं बाल विकास विभाग का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। उन्हें वित्त आयुक्त की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। वहीं, 1993 बैच के आईएएस अधिकारी प्रशांत गोयल को अतिरिक्त मुख्य सचिव (ऊर्जा) के साथ दिल्ली वित्त निगम, दिल्ली राज्य नागरिक आपूर्ति निगम, प्रशासनिक सुधार विभाग और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। 1994 बैच के आईएएस अधिकारी नवीन कुमार चौधरी को सामान्य प्रशासन विभाग का अतिरिक्त मुख्य सचिव नियुक्त किया गया है। उनके पास सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग तथा खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग का भी प्रभार रहेगा।

देसी घी विक्रेताओं के यहां खाद्य सुरक्षा विभाग की छापेमारी, व्यापारियों का हंगामा

सैंपलिंग के दौरान घर की तलाशी लेने और रुपये मांगने का व्यापारी ने लगाया आरोप, एसडीएम व सीओ के हस्तक्षेप से शांत हुआ मामला

वेब वार्ता, जलालाबाद (शाहजहांपुर)। परशुरामपुरी नगर जलालाबाद में शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने लखनऊ के निर्देश पर देसी घी के कारोबारियों के प्रतिष्ठानों पर छापेमारी कर नमूने लिए। इस दौरान एक कारोबारी के प्रतिष्ठान पर सैंपलिंग की कार्रवाई की गई, जबकि दो अन्य विक्रेताओं के घर पर नहीं मिलने के कारण उनके नमूने नहीं लिए जा सके। छापेमारी के दौरान व्यापारी और टीम के बीच विवाद हो गया। इसके बाद बड़ी संख्या में व्यापारी तहसील मुख्यालय पहुंच गए और नारेबाजी करते हुए हंगामा किया। सूचना पर पहुंचे उपजिलाधिकारी मधुसूदन गुप्ता और क्षेत्राधिकारी दीपक कुमार सिंह के हस्तक्षेप के बाद मामला शांत हुआ।

छापेमारी के दौरान घर की ऊपरी मंजिल पर तलाशी लेने का आरोप

जानकारी के अनुसार, खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने देसी घी कारोबारी क्षितिज गुप्ता के प्रतिष्ठान तथा राम शंकर सरोज के देसी घी स्टोर पर छापेमारी कर नमूने लिए। वहीं, देसी घी विक्रेता शिवम गुप्ता और रामपाल गुप्ता के घर पर मौजूद नहीं मिलने के कारण उनके नमूने नहीं लिए जा सके।

कारोबारी क्षितिज गुप्ता ने आरोप लगाया कि खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम निर्धारित कारोबारी स्थल के बजाय उनके घर की ऊपरी मंजिल पर पहुंच गई। उन्होंने आरोप लगाया कि टीम ने तिजोरी और घर-गृहस्थी के सामान की अनावश्यक तलाशी लेकर दबाव बनाने की कोशिश की। कारोबारी ने टीम पर मोटी रकम मांगने का आरोप भी लगाया। इन आरोपों के चलते विवाद बढ़ गया और व्यापारियों ने विरोध शुरू कर दिया। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

विवाद के बाद बड़ी संख्या में व्यापारी एकत्र होकर तहसील मुख्यालय पहुंच गए। वहां व्यापारियों ने नारेबाजी करते हुए विरोध जताया। हंगामे की सूचना पर उपजिलाधिकारी मधुसूदन गुप्ता और क्षेत्राधिकारी दीपक कुमार सिंह मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने व्यापारियों को समझाने का प्रयास किया और मामले की जानकारी ली। इसके बाद अधिकारियों के साथ व्यापारी उस स्थान पर पहुंचे, जहां खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम छापेमारी के लिए गई थी। वहां भी व्यापारियों ने जोरदार नारेबाजी की। इस दौरान स्थिति तनावपूर्ण हो गई। बताया गया कि कुछ लोगों ने टीम के साथ हाथापाई की कोशिश की, लेकिन क्षेत्राधिकारी दीपक कुमार सिंह ने सूझबूझ से स्थिति को संभाल लिया और विवाद को बढ़ने से रोका।

थाने में दोनों पक्षों के बीच हुई वार्ता

इसके बाद व्यापारियों और खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम को थाने ले जाया गया। वहां उपजिलाधिकारी मधुसूदन गुप्ता, क्षेत्राधिकारी दीपक कुमार सिंह, थाना प्रभारी अरविंद कुमार सिंह, व्यापार मंडल के प्रतिनिधियों और खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों की मौजूदगी में दोनों पक्षों की बात सुनी गई। खाद्य सुरक्षा विभाग की ओर से आयुक्त राजेंद्र नाथ मिश्रा, सहायक आयुक्त विनीत कुमार तथा खाद्य सुरक्षा अधिकारी अजीत सिंह, वरुण कुमार, मनोज कुमार, विवेक वर्मा, सौरभ सोनी और मानवेंद्र कुमार शामिल रहे।

व्यापारियों की ओर से नगर पालिका के पूर्व चेयरमैन मनिंन्द्र गुप्ता, व्यापार मंडल से जुड़े संजीव गुप्ता, विश्वास गुप्ता सहित व्यापार मंडल के अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक में व्यापारियों ने छापेमारी की प्रक्रिया और घर में तलाशी लिए जाने को लेकर अपनी आपत्तियां रखीं। वहीं, अधिकारियों ने भी अपना पक्ष रखा। वार्ता के दौरान व्यापारियों ने सैंपलिंग की कार्रवाई पर आपत्ति नहीं जताई, लेकिन एक नमूने को निजी प्रयोगशाला में भी जांच के लिए भेजने की मांग रखी। इस पर सहमति बनने की बात कही गई। साथ ही, शिवम गुप्ता और रामपाल गुप्ता के उपलब्ध होने पर उनके यहां भी नियमानुसार नमूने लेने की बात सामने आई। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच विवाद शांत हो गया। इस प्रकरण में एक महिला ने भी घर में प्रवेश कर जेवर, तिजोरी और घर-गृहस्थी के सामान की तलाशी लिए जाने पर आपत्ति जताई। महिला ने बिना वारंट तलाशी लिए जाने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई के संबंध में थाना प्रभारी अरविंद कुमार सिंह को प्रार्थना पत्र दिया। महिला की शिकायत और कारोबारी की ओर से लगाए गए आरोपों पर आगे क्या कार्रवाई होगी, यह संबंधित अधिकारियों की जांच के बाद स्पष्ट होगा।

विकास के दावों की खुली पोल

प्रधान के अपने मजरे में सड़क गायब, जलभराव से आवागमन ठप

वेब वार्ता, लक्ष्मीकान्त पाठक

हरदोई (वेबवार्ता)। विकास के बड़े-बड़े दावों के बीच शाहाबाद विधानसभा क्षेत्र की परेली ग्राम पंचायत का मजरा पहाड़पुर बदहाली से जूझ रहा है। जलभराव के चलते शिवपुरी (मजरा अतर्जी) से पहाड़पुर को जोड़ने वाला मुख्य संपर्क मार्ग पानी में डूब गया है। सड़क का अस्तित्व तक नजर नहीं आने से ग्रामीणों का आवागमन बाधित है। वहीं, शिवपुरी के किसानों के लिए अपने खेतों तक पहुंचना भी मुश्किल हो गया है। गांव की इस स्थिति ने विकास कार्यों और जलनिकासी की व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

ग्रामीणों के मुताबिक, क्षेत्र में जलनिकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण पानी खेतों में भरा हुआ है। इसका खामियाजा किसानों को भुगतना पड़ रहा है। सैकड़ों बीघा धान की फसल जलमग्न होने से उसके खराब होने का खतरा बढ़ गया है। किसानों ने फसल तैयार करने में खाद, बीज, सिंचाई और मेहनत पर अपनी जमा-पूंजी लगा दी, लेकिन अब खेतों में भरे पानी ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेरने की आशंका पैदा कर दी है। यदि समय रहते जलनिकासी की व्यवस्था नहीं की गई, तो किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है।

स्लीपर बसों में माल का बोझ, यात्रियों की जान से खिलवाड़!

वेब वार्ता, आलोक चतुर्वेदी

यात्रियों को सुरक्षित सफर कराने के लिए संचालित स्लीपर बसों में व्यावसायिक सामान की ढुलाई का मामला सामने आने से परिवहन विभाग की निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। ललितपुर से गुजरने वाली ह्यराज कल्पनाह्न नाम की बस की छत पर तिरपाल से ढके बड़े-बड़े पैकेट रस्सियों से बंधे दिखाई दिए। इस तस्वीर ने बसों में यात्रियों के सामान और व्यावसायिक माल की ढुलाई को लेकर नई बहस छेड़ दी है।

सवाल यह है कि बस की छत पर रखा गया सामान यात्रियों के निजी बैग-सूटकेस हैं या व्यावसायिक माल? यदि यात्री परिवहन के लिए संचालित बसों में नियमों के विपरीत माल ढोया जा रहा है, तो इसकी जिम्मेदारी किसकी है? ऐसे मामलों में परिवहन विभाग की निगरानी और कार्रवाई की प्रभावशीलता भी जांच का विषय है।

स्लीपर बसों में आग और अन्य गंभीर हादसों की घटनाएं पहले ही यात्रियों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा चुकी हैं। ऐसे में बसों में सामान की ढुलाई, वाहन की निर्धारित क्षमता और सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है। छत पर रखा भारी सामान यदि ठीक से सुरक्षित नहीं है, तो यात्रा के दौरान उसके खिसकने या गिरने का खतरा हो सकता है। साथ ही वाहन के संतुलन पर पड़ने वाले संभावित प्रभाव की भी जांच की जानी चाहिए। ललितपुर से गुजरने वाली लंबी दूरी की स्लीपर बसों के परमिट, फिटनेस, निर्धारित मार्ग और सामान ढुलाई की व्यवस्था की जांच आवश्यक है। विभाग को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि बसों में केवल नियमानुसार अनुमत सामान ही ले जाया जा रहा है और यात्रियों की सुरक्षा से जुड़े सभी मानकों का पालन हो रहा है। ललितपुर के एआरटीओ विपिन चौधरी ने बताया कि स्लीपर बसों में यात्रियों के बैग और सूटकेस ले जाने की अनुमति है, जबकि व्यावसायिक माल ढुलाई नियम विरुद्ध है। उन्होंने कहा कि पूर्व में भी कुछ बसों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। इस मामले में भी जांच कराकर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। अब देखना होगा कि संबंधित बस की जांच में क्या सामने आता है और परिवहन विभाग यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाता है।

आजादी के बाद से गाँव के पुरैना मजरे में नहीं आई बिजली

वेब वार्ता, बहराइच। जिले की तहसील कैसरगंज के अन्तर्गत ग्राम बांसगांव के मजरा पुरैना में आजादी के बाद से अभी तक विद्युत सप्लाई नहीं हो सकी। उसे गांव के निवासी जकीउल्लाह खान ने बताया हमारे इस क्षेत्र में आज तक विद्युत कनेक्शन के लिए खंभे तक नहीं लगवाए गए। इस विषय पर विद्युत अधिकारियों से मौखिक एवं प्रार्थना पत्र देकर कई बार निवेदन किया गया लेकिन उन लोगों ने इस मजरे पर विद्युत के लिए कोई ध्यान नहीं दिया। हताश होकर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि सुब्बन पुत्र लतीफ से विद्युत कनेक्शन के बारे में बात की गई तो उन्होंने कनेक्शन के नाम पर जनवरी 2026 में 8000 घुस के रूप में ले लिया।

रोज खाएं अंडे विश्व अंडा दिवस के मौके पर डीपी सिंह ने की अपील

वेब वार्ता, कमर खान

बलरामपुर। बलरामपुर जिले में कुक्कुट पालन से जिले में औद्योगिक विकास तो हो ही रहा है उसके साथ-साथ उपभोक्ताओं को स्वस्थ एवं ताजा अंडा उपभोग करने को मिलता है।

विश्व दिवस के मौके पर स्थानीय उत्पादन पर जोर देते हुए कुकुर विकास समिति के पूर्वांचल प्रभारी डीपी सिंह ने बताया कि छोटा सा दिखने वाला अंडा सिर्फ अंडा ही नहीं यह प्रोटीन का पावर हाउस भी है इसमें प्रचुर मात्रा में विटामिन प्रोटीन और कई स्वास्थ्यवर्धक चीज पाई जाती हैं जो स्वास्थ्य के लिए काफी लाभदायक होती है और विश्व अंडा दिवस के मौके पर उन्होंने स्थानीय उपभोक्ताओं से अपील की की अपने आसपास के फार्मरों से ताजा और स्वस्थ अंडा लेकर ही उपभोग करें। ताजा और स्वस्थ अंडा आपके स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है। इस अवसर पर उन्होंने अपनी पूरी टीम कुक्कुट विकास समिति के पदाधिकारीयों और सदस्यों एवं फार्मरों के तरफ से सभी उपभोक्ताओं को विश्व अंडा दिवस की शुभकामनाएं दी। इससे जनपद में न सिर्फ अंडो का उत्पादन बढ़ाने पर बल मिलेगा। बल्कि जिले वासियों को स्वस्थ और ताजा अंडा खाने को मिलेगा। और उन्होंने यह भी अपील की की नए उद्यमी भी कुक्कुट विकास योजना के अंतर्गत प्रदेश सरकार से लाभान्वित होकर अपने रोजगार को आगे बढ़ा सकते हैं। जो न सिर्फ रोजगार देगा बल्कि बलरामपुर जिले के औद्योगिक विकास को भी बढ़ाने में अग्रीम भूमिका निभाएगा।

हरदोई में जनसुनवाई: डीएम राहुल पाण्डेय ने सुनीं 126 शिकायतें, समयबद्ध निस्तारण के निर्देश

वेब वार्ता, लक्ष्मीकान्त पाठक

हरदोई। जनसमस्याओं के त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण को लेकर जिलाधिकारी राहुल पाण्डेय ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई की। इस दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे फरियादियों ने अपनी समस्याएं और शिकायतें जिलाधिकारी के समक्ष रखीं। डीएम ने कुल 126 शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को उनके गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों के निस्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि शिकायतों का केवल औपचारिक निस्तारण करने के बजाय मौके पर जाकर उनका सत्यापन किया जाए और नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही, शिकायतकर्ता को भी की गई कार्रवाई और निस्तारण की स्थिति से अवगत कराया जाए।

डीएम राहुल पाण्डेय ने कहा कि आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। सभी अधिकारी अपने-अपने विभाग से संबंधित शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए निर्धारित समयसीमा के भीतर उनका निस्तारण सुनिश्चित करें, ताकि लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

जनसुनवाई के दौरान अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) दीपाली भार्गव, अतिरिक्त मजिस्ट्रेट गुलाब चंद्र सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जनगणना-2027 के द्वितीय चरण का प्रशिक्षण शुरू

वेब वार्ता, कमर खान /बलरामपुर। जनगणना-2027 के द्वितीय चरण के अंतर्गत बलरामपुर नगर स्थित सिटी मॉन्टेसरी स्कूल में फील्ड ट्रेनरों का प्रशिक्षण प्रारंभ हो गया है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में शिवपुरा एवं बलरामपुर ब्लॉक के फील्ड ट्रेनरों को मास्टर ट्रेनरों द्वारा जनगणना से संबंधित विभिन्न प्रक्रियाओं, कार्यप्रणाली एवं महत्वपूर्ण बिंदुओं की विस्तृत जानकारी दी जा रही है। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य जनगणना कार्य को व्यवस्थित, सटीक, पारदर्शी एवं प्रभावी ढंग से संपन्न कराने के लिए फील्ड ट्रेनरों को तैयार करना है। इसके तहत प्रतिभागियों को जनगणना की निर्धारित प्रक्रिया का पालन करने, आंकड़ों के सही संकलन तथा कार्य के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए जा रहे हैं।

जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक आयोजित

वेब वार्ता, देवरिया। देवरिया जिले में जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक देर सायं कलेक्ट्रेट सभागार, देवरिया में आयोजित की गई। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी सुशील सिंह, अग्रणी जिला प्रबन्धक आर०एस० प्रेम, उद्योग विभाग से एस. सिद्दीकी, उप निदेशक कृषि सुभाष मौर्या, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. श्रीनिवास प्रसाद तथा विभिन्न बैंकों से आए वरिष्ठ अधिकारी एवं जिला बैंक समन्वयक भी उपस्थित रहे।

दिसंबर तक लक्ष्य प्राप्ति एवं योजनाओं की समीक्षा: बैठक में जनपद में संचालित विभिन्न सरकारी एवं स्वरोजगार योजनाओं के अंतर्गत बैंकों द्वारा प्राप्त प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने समस्त बैंक प्रतिनिधियों को निर्देश दिया कि दिसंबर तक सभी योजनाओं के निर्धारित लक्ष्यों को अनिवार्य रूप से एवं समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए। लक्ष्य पूर्ति में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के कड़े निर्देश दिए गए।

बैठक में सभी शासकीय योजनाओं, स्वयं सहायता समूहों, किसान क्रेडिट कार्ड, व्यवसाय ऋणों एवं मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान, पीएमएफएमई, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, एक जनपद एक उत्पाद तथा माटी कला योजना से संबंधित ऋण पत्रावलियों को समय से स्वीकृत एवं वितरित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही सभी शासकीय योजनाओं के शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने के निर्देश भी दिए गए। अग्रणी जिला प्रबन्धक आर०एस० प्रेम ने विभिन्न बैंकों को जनसुरक्षा योजनाओं के अंतर्गत ग्राम पंचायत स्तर पर 21 अक्टूबर 2026 से 31 दिसंबर 2026 तक अभियान चलाने के संबंध में निर्देशित किया। बैठक में अग्रणी जिला प्रबन्धक आर०एस० प्रेम द्वारा बैंकों की प्रत्येक शाखा में पुराने नोट बदलने एवं नए सिक्कों के वितरण हेतु विशेष शिविर आयोजित करने का प्रस्ताव रखा गया। इस संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, एक जनपद एक उत्पाद, पीएम स्वनिधि एवं किसान क्रेडिट कार्ड पर विशेष जोर दिया गया।

कुशीनगर में 17 करोड़ रुपये में बने बुद्धा थीम पार्क तैयार

वेब वार्ता, कुशीनगर। कुशीनगर जिले के कुशीनगर में पर्यटन विभाग की तरफ से राजकीय बौद्ध संग्रहालय में नवनिर्मित बुद्धा थीम पार्क के दीदार के लिए पर्यटकों व सैलानियों को इंतजार करना होगा।

पार्क में शाम को चलने वाले ओपन एयर थिएटर (ओएटी) के लिए तैयार कराए फिल्म में दृश्य और ग्राफिक्स में कुछ सुधार कराए जाने हैं। सुधार का काम पूरा होने तक पार्क नहीं खोला जाएगा।

इस संबंध में पर्यटन विभाग के पर्यटन सूचना अधिकारी डॉ. प्राण रंजन ने जानकारी देते हुए बताया कि करीब 17 करोड़ की लागत से राजकीय बौद्ध संग्रहालय परिसर में भव्य बुद्धा थीम पार्क बनकर तैयार हो गया है। पार्क के चारों तरफ सांची स्तूप मॉडल चहारदीवारी व भव्य प्रवेश द्वार व परिसर से लेकर सड़क तक आकर्षक विक्टोरियन लैंप लगाए गए हैं। पार्क में इंटरएक्टिव स्टोरीटेलिंग, हेरिटेज इंटरप्रिटेशन और डिजिटल तकनीकों के माध्यम से बुद्ध के जीवन की प्रमुख घटनाओं को आकर्षक तरीके से दशार्या गया है।

दरअसल, ओपन एयर थिएटर (ओएटी) के लिए तैयार किए गए साउंड एंड लाइट शो के दृश्य व ग्राफिक्स में कुछ सुधार करने के लिए अपर मुख्य सचिव पर्यटन की तरफ से निर्देशित किया गया है। यह सुधार करने के बाद पार्क को खोल दिया जाएगा।

इसका मकसद लोगों को सिर्फ जानकारी देना नहीं है बल्कि उन्हें आत्मचिंतन और आध्यात्मिक अनुभव से जोड़ना भी है। पार्क में बुद्ध के ज्ञान, करुणा और जीवन मूल्यों को संवादात्मक शैली में प्रस्तुत किया गया है। इसके साथ ही तिब्बती शैली के स्तूप भी विकसित किए गए हैं। जो बुद्ध के आठ महान कार्यों के प्रतीक हैं। यहां 3 डी झांकियों और डिजिटल प्रस्तुतियों के माध्यम से बुद्ध के जीवन की घटनाओं को जीवंत रूप में दिखाया जाएगा।

लोगों के लिये पार्क को खोल दिया जायेगा

पार्क में भूमिस्पर्श, ध्यान, अभय और धर्म चक्र जैसी बुद्ध की आठ विशाल मुद्राएं भी स्थापित की गई हैं। इसके अलावा 40 फुट ऊंची बुद्ध वॉल पर लाइट एंड साउंड शो विशेष आकर्षण होगा। जिसमें आधुनिक तकनीक के जरिये बुद्ध के जीवन और संदेशों को प्रभावशाली तरीके से प्रस्तुत किया जाएगा। वहीं बुद्ध जीवन दीघाएं, भित्ति चित्र, बच्चों का थीम आधारित खेल क्षेत्र और स्मारिका केंद्र भी विकसित किए गए हैं। इस संबंध में राजेंद्र प्रसाद यादव, उपनिदेशक, पर्यटन गोरखपुर ने बताया कि कुशीनगर में बुद्धा थीम पार्क का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है। साउंड एंड लाइट शो के दृश्य व ग्राफिक्स में कुछ सुधार करने के लिए अपर मुख्य सचिव पर्यटन की तरफ से निर्देशित किया गया है। सुधार के बाद अनुमति मिलते ही लोगों के लिए पार्क को खोल दिया जाएगा।

कुशीनगर में जांच में दो अस्पतालों को सील करने की संस्तुति: सात पर लगाया गया जुर्माना

वेब वार्ता, कुशीनगर। कुशीनगर जिले में संचालित निजी अस्पतालों में मानकों की अनदेखी के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग ने कार्रवाई शुरू कर दी है।

पिछले महीने नौ सितंबर को जिले में 52 निजी अस्पतालों की जांच के बाद जारी नोटिस के जवाब की समीक्षा पूरी हो गई है। जांच टीम ने सात अस्पताल संचालकों पर 10-10 हजार रुपये का जुमार्ना लगाने और दो अस्पतालों को सील करने की संस्तुति की है। कार्रवाई की संस्तुति रिपोर्ट के आधार पर आगे की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

सीएमओ डॉ. चंद्रप्रकाश के निर्देश पर नौ सितंबर को आठ टीमों ने जिले के 52 निजी अस्पतालों का निरीक्षण किया था। जांच में अनियमितताएं मिलने पर 41 अस्पताल संचालकों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया था। इनमें से 30 संचालकों ने निर्धारित अवधि में जवाब दिया। स्वास्थ्य विभाग की जांच में इन अस्पतालों के जवाब संतोषजनक पाए गए, जिसके बाद उनके खिलाफ फिलहाल कोई कार्रवाई नहीं की गई। वहीं, 11 अस्पताल संचालकों ने नोटिस का जवाब नहीं दिया। इन मामलों में जांच टीम ने उपलब्ध तथ्यों और निरीक्षण रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की संस्तुति की है।

इस संबंध में सीएमओ डॉ. चंद्रप्रकाश ने आज बताया कि जांच टीम द्वारा सुकरौली स्थित नारित्व हॉस्पिटल और कुबेरस्थान के आस्था फार्मा क्लीनिक को सील करने की संस्तुति की गई है। विभागीय स्तर पर इसकी प्रक्रिया पूरी होने के बाद दोनों अस्पतालों को सील किया जाएगा। वहीं, जांच टीम ने सात अस्पतालों पर 10-10 हजार रुपये का जुमार्ना लगाने की संस्तुति की है। इनमें हिंद हॉस्पिटल कुबेरस्थान, तान्या हॉस्पिटल टेकुआटार, सत्या हॉस्पिटल सुकरौली, न्यू प्रभात हॉस्पिटल तमकुहीराज, जीवन हॉस्पिटल सुकरौली, अनुज हॉस्पिटल दुदही और आदर्श हॉस्पिटल सुकरौली शामिल हैं।

इन अस्पतालों में निरीक्षण के दौरान मिली कमियों और नोटिस के जवाब की स्थिति को देखते हुए जुमार्ने की कार्रवाई की जा रही है। सीएमओ डॉ. चंद्रप्रकाश का कहना कि निजी अस्पतालों के संचालन में निर्धारित मानकों का पालन जरूरी है। निरीक्षण के दौरान मिली कमियों को गंभीरता से लिया गया है। जिन अस्पतालों के जवाब संतोषजनक मिले, उन्हें राहत दी गई है, जबकि जवाब नहीं देने या कमियां दूर नहीं करने वाले अस्पतालों के खिलाफ कार्रवाई की संस्तुति की गई है।

निरीक्षण के दौरान सुकरौली का श्री हॉस्पिटल बंद मिला था। वहीं, जटहा बाजार स्थित नवजीवन हॉस्पिटल के संचालक ने नोटिस मिलते ही अस्पताल का संचालन तत्काल बंद कर दिया था। दोनों अस्पताल उसी समय से बंद हैं। सीएमओ ने बताया कि अब एक बार फिर टीम भेजकर दोनों अस्पतालों का स्थलीय सत्यापन कराया जाएगा। इसके बाद यह देखा जाएगा कि अस्पतालों का संचालन बंद है या दोबारा शुरू कर दिया गया है।

अस्पतालों पर जारी रहेगी कार्रवाई

सीएमओ ने बताया कि निजी अस्पतालों की जांच में सामने आई कमियों के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। जिन अस्पतालों के जवाब संतोषजनक मिले, उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई है। वहीं जिनके मामले में गंभीर अनियमितता मिली या नोटिस का जवाब नहीं दिया गया, उनके खिलाफ जुमार्ना और सील करने की कार्रवाई की संस्तुति की गई है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि मरीजों की सुरक्षा से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाएगा और मानकों का उल्लंघन करने वाले अस्पतालों पर कार्रवाई जारी रहेगी।

प्रधानमंत्री मोदी बोले, गलत काम बंद करवाने की ठान चुका हूं, बंद कर के रहूंगा

भारत मोबाइल कांग्रेस-2026 का उद्घाटन करते हुए बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि उनकी सरकार ने मोबाइल संचार प्रौद्योगिकी के माध्यम से जनता का लाखों करोड़ रुपया गलत हाथों में जाने से बचाया है और बहुतों की मुफ्त की कमाई बंद की है और ऐसे ही लोग अब उनका विरोध कर रहे हैं। पीएम ने कहा कि मैंने गलत कामों को बंद करने की ठान रखी है और ऐसा करके रहेंगे, चाहे उनका विरोध करने वाले कितना ही शोर क्यों न करें। श्री मोदी यहां यशोभूमि में भारत मोबाइल कांग्रेस-2026 का औपचारिक उद्घाटन कर रहे थे। उनका यह बयान ऐसे वातावरण में महत्त्वपूर्ण माना जा रहा है, जबकि विपक्ष राज्यों की मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के चुनाव आयोग के कार्यक्रम को लेकर मोदी सरकार पर दबाव बनाने के लिए जगह जगह- धरने प्रदर्शन कर रहा है और मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग कर रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अब सरकार की सैकड़ों सर्विसेज मोबाइल फोन पर हैं। सरकारी मदद अब सीधे बेनिफिशरीज के खाते में जाती है। डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर से करीब 50 लाख करोड़ रुपए सीधे लाभार्थियों के मोबाइल में भेजे गए और उनके बैंक अकाउंट में पहुंचे और इससे करीब पांच लाख करोड़ रुपए गलत हाथों में जाने से बचे हैं। श्री मोदी ने कहा कि अब मुझे बताइए, जिनकी ये मुफ्त की कमाई बंद हो गई है, वे क्या मोदी को प्यार करेंगे। वे कितने ही चिल्लाते रहें, चीखते रहें, मैं इसको ठान के बैठा हूं, करके रहूंगा।

ओंकारेश्वर में सिंहस्थ की तैयारी तेज, अतिक्रमण पर चला बुलडोजर, 26 मकान किए ध्वस्त

ओंकारेश्वर (खंडवा)। सिंहस्थ 2028 में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं और तीर्थयात्रियों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए ओंकारेश्वर में प्रशासन ने अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। नगर परिषद ने बुधवार को वार्ड क्रमांक एक और तीन में अभियान चलाकर अतिक्रमण कर बनाए गए 26 मकानों को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। लंबे समय से अतिक्रमण कर रह रहे लोगों के बीच भी कार्रवाई को लेकर चिंता का माहौल दिखाई दिया।

सीईसी ज्ञानेश कुमार को खतरा

जेड प्लस से भी ज्यादा सुरक्षा मिली, खुफिया इनपुट पर दिल्ली पुलिस का एक्शन

नई दिल्ली। नई दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के आवास के बाहर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। दिल्ली पुलिस ने यह कदम ताजा खतरे से जुड़े इनपुट मिलने के बाद उठाया है। अधिकारियों के मुताबिक, ज्ञानेश कुमार को पहले से ही जेड प्लस सुरक्षा मिली हुई है, लेकिन नए खुफिया इनपुट और राजधानी में चल रहे विरोध-प्रदर्शनों को देखते हुए उनके घर के बाहर अतिरिक्त पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि स्थानीय जिला पुलिस को भी अपने स्तर पर सुरक्षा बल बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं।

चूंकि नई दिल्ली जिले में पहले से विरोध-प्रदर्शन चल रहे हैं, इसलिए सभी सुरक्षा एजेंसियों को आपसी समन्वय के साथ काम करने को कहा गया है, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। बता दें कि ज्ञानेश कुमार की सुरक्षा बढ़ाए जाने की यह व्यवस्था ऐसे समय में की गई है, जब इंडिया ब्लॉक के नेता एसआईआर में कथित अनियमितताओं को लेकर विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं।

एआई को तस्वीरें बेच कमा रहे 1,500 से लेकर 65 हजार रुपये तक

बीजिंग। इंसानी चेहरों को भी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)के बढ़ते इस्तेमाल ने कमाई का जरिया बना दिया है। आजकल डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लोग अपने चेहरे की तस्वीरों का लाइसेंस देकर पैसे कमा रहे हैं। चीन में एआई से तैयार होने वाले वीडियो गेम, विज्ञापनों और छोटी डिजिटल सीरीज में चेहरे के इस्तेमाल के बदले लोगों को करीब 1,500 रुपये से लेकर 65,000 रुपये तक मिल रहे हैं।

चीन में एक से दो मिनट के छोटे एपिसोड वाले माइक्रोड्रामा काफी लोकप्रिय हैं। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, 2026 की पहली तिमाही में रिलीज हुए करीब 1.28 लाख माइक्रोड्रामा में 95 प्रतिशत से अधिक के निर्माण में एआई तकनीक का इस्तेमाल किया गया। इन डिजिटल सीरीज के लिए निमार्ताओं को अलग-अलग उम्र, लिंग और चेहरे की बनावट वाले लोगों की जरूरत होती है। एआई आधारित वीडियो में वास्तविक कलाकार की तरह शूटिंग और अभिनय की आवश्यकता कम होने के कारण आम लोगों के चेहरे भी डिजिटल सामग्री के लिए इस्तेमाल किए जा रहे हैं। चेहरा लाइसेंस करने की प्रक्रिया विशेष डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए पूरी होती है। इसमें शामिल लोग पहले स्टूडियो में अपने चेहरे की अलग-अलग कोणों से तस्वीरें खिंचवाते हैं। इसके बाद निमार्ता अपनी जरूरत के अनुसार तस्वीरों का चयन करते हैं। सहमति मिलने पर इन तस्वीरों के आधार पर व्यक्ति का डिजिटल मॉडल तैयार किया जा सकता है।

42 पूर्व जज एसआईआर के समर्थन में, देश के नाम खुला पत्र

चुनाव आयोग कमजोर करने की कोशिश के खिलाफ चेतावनी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग के मतदाता सूची के एसआईआर को लेकर चल रहे प्रदर्शन के बीच देश के 272 नागरिकों और उच्च न्यायपालिका के 42 पूर्व जजों ने एक ओपन लेटर जारी किया है। इस पत्र में चुनाव आयोग और एसआईआर का खुलकर समर्थन किया है।

42 रिटायर्ड जजों के एक ग्रुप ने ओपन लेटर लिखकर चुनाव आयोग को कमजोर करने की किसी भी कोशिश के खिलाफ चेताया है। उन्होंने चुनाव आयोग, ज्यूडिशियरी और दूसरे संवैधानिक संस्थानों को कथित तौर पर कमजोर करने के चल रहे कैंपेन पर गहरी चिंता जताई है। पूर्व जजों ने कहा है कि कानून चुनाव आयोग को अधिकार देता है और पिछला एसआईआर दो दशक पहले हुआ था, तब किसी ने भी सवाल नहीं उठाए थे। पूर्व जजों ने विपक्ष के विरोध को माहौल बनाने की सियासत करार दिया है। उन्होंने कहा कि ये सारा शोर मतदाताओं का नहीं, बल्कि वे राजनीतिक दल मचा रहे हैं जो चुनाव जीतने में नाकाम रहे हैं। लेटर में साइन करने वालों ने कहा कि वे पूर्व जजों और संवैधानिक पदों पर काम करने वाले रिटायर्ड लोगों के तौर पर लिख रहे हैं और उनका किसी भी पॉलिटिकल पार्टी के लिए कोई ब्रीफ नहीं है।

पश्चिम एशिया में बदल रहे भू-राजनीतिक समीकरण

मजबूत हो रहा मुस्लिम देशों का गठबंधन

दुबई। यमन के हूती विद्रोहियों और सऊदी अरब के बीच संघर्ष तेज होने के साथ ही पश्चिम एशिया के क्षेत्रीय समीकरण तेजी से बदलते नजर आ रहे हैं।

सऊदी अरब के एयरपोर्ट और अन्य महत्वपूर्ण ठिकानों पर लगातार हो रहे मिसाइल और ड्रोन हमलों के बीच अब पाकिस्तान ने आधिकारिक तौर पर स्वीकार कर लिया है कि उसके सैनिक विभिन्न भूमिकाओं में सऊदी अरब में तैनात हैं। इस घटनाक्रम को पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्की के बीच हुए मक्का रक्षा समझौते से जोड़कर देखा जा रहा है, जिसे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन भी मिला है।

पाकिस्तान के सैन्य प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी के मुताबिक, पाकिस्तानी सैनिक कई दशकों से सऊदी सेना के साथ अलग-अलग क्षेत्रों में काम कर रहे हैं। उन्होंने साफ किया कि मक्का रक्षा समझौता कोई अचानक लिया गया फैसला नहीं है, बल्कि यह तीनों देशों के लंबे समय से चले आ रहे राजनीतिक, कूटनीतिक और सैन्य संबंधों का ही परिणाम है। पिछले साल सितंबर में हुए द्विपक्षीय समझौते के तहत करीब 8,000 पाकिस्तानी सैनिक, वायुसेना का एक लड़ाकू विमान स्क्वाड्रन और एयर डिफेंस सिस्टम सऊदी अरब भेजे गए थे।

पाकिस्तान की यह स्वीकारोक्ति ऐसे समय पर सामने आई है जब हूतियों ने सऊदी ठिकानों पर अपने हमले काफी तेज कर दिए हैं। रियाद के किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट और अबहा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर हुए हमलों में तीन लोगों की मौत और 36 लोगों के घायल होने की खबर है। हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सरी ने रियाद एयरपोर्ट पर बैलिस्टिक मिसाइल से हमले का दावा किया है, जबकि सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन ने मिसाइल को रास्ते में ही हवा में नष्ट करने और उसके लॉन्च प्लेटफॉर्म को तबाह करने की बात कही है।

सऊदी के आम लोगों पर हमले बर्दाश्त नहीं, हूतियों को भारत की दोटूक, एकजुटता से खड़ा हिंदुस्तान

नई दिल्ली। पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये ने हाल ही में इस्लामिक नाटो बनाते हुए मक्का सुरक्षा समझौते पर दस्तखत किए थे। इसके तहत यह प्रावधान किया गया था कि किसी भी सदस्य देश पर हुआ हमला बाकी देशों पर हुआ हमला माना जाएगा और बाकी दोनों सदस्य देश दुश्मन के हमलों का साझा जवाब देंगे। बावजूद इसके पिछले कुछ हफ्तों से सऊदी अरब पर ईरान समर्थित यमन के हूती विद्रोही हमले कर रहे हैं, लेकिन पाकिस्तान अपने इस अहम रक्षा साझेदार की मदद नहीं कर पा रहा है। अब भारत पाकिस्तान के इस कथित हमदर्द के समर्थन में आ खड़ा हुआ है।

भारत ने दोटूक लहजे में कहा है कि सऊदी अरब के आम लोगों को निशाना बनाने वाले ठिकानों और बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने की हरकत बिलकुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके साथ ही भारत ने सऊदी अरब के एयरपोर्ट्स पर हूती हमलों की घोर निंदा की है। गुरुवार को भारतीय विदेश मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है कि पिछले कुछ दिनों में हुए हमलों में रियाद के आभा इंटरनेशनल एयरपोर्ट और किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट को निशाना बनाया गया, जिससे आम नागरिकों को नुकसान पहुंचा है। बयान में भारत ने आम लोगों के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाए जाने को पूरी तरह से अस्वीकार्य बताया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि आम लोगों के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाना पूरी तरह से अस्वीकार्य है।

सऊदी के दो हवाई अड्डों पर हूतियों का हमला; तीन की मौत

रियाद। सऊदी अरब के दो हवाई अड्डों पर हूती विद्रोहियों ने घातक हमला किया। हवाई अड्डों पर ड्रोन और मिसाइल से किए हमलों में तीन लोगों की मौत हो गई और 36 लोग घायल हो गए। सऊदी अरब की जनरल अथॉरिटी ऑफ सिविल एविएशन ने यह जानकारी दी। सऊदी अधिकारियों ने बताया कि एक हमला रियाद के किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट हुआ, दूसरा हमला अबहा हवाई अड्डे पर किया गया।

यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने इन हमलों की जिम्मेदारी ली है। ये हमले ऐसे समय में हुए हैं, जब सऊदी समर्थित यमन की सरकारी सेना ने हूतियों के खिलाफ सैन्य अभियान शुरू किया है। यमन के संघर्ष में सऊदी अरब गहराई से उलझता जा रहा है। अबहा एयरपोर्ट पर मिस्र और अल्जीरिया के एक-एक नागरिक की मौत हुई, जबकि रियाद के एयरपोर्ट पर सूडान के एक नागरिक की मौत हुई। हूती विद्रोहियों के सैन्य प्रवक्ता याह्या सूरी ने कहा कि हमारी सेनाओं ने रियाद में किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट को बैलिस्टिक मिसाइल से निशाना बनाया है।

ट्रंप चले थे ईरान को मिटाने, खुद के मिटा बैठे 31,943 करोड़

अमेरिका 81 सैन्य विमान हो गए तबाह

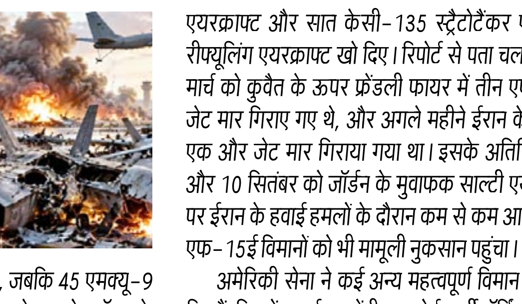

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए ईरान युद्ध एक बड़ा सिरदर्द बनकर उभरा है। ट्रंप को लगा था कि वो इजरायल के साथ मिलकर इस इस्लामिक गणतंत्र का आसानी से नामोंनिशां मिटा देंगे, लेकिन युद्ध में अमेरिका को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस जंग में अमेरिका को करीब 31,943 करोड़ रुपये यानी 3.3 अरब डॉलर के 81 सैन्य विमानों की तबाही के रूप में बड़ा नुकसान उठाना पड़ा है।कांग्रेसनल रिसर्च सर्विस की एक नई रिपोर्ट में कहा गया है कि इस साल की शुरूआत में ईरान में युद्ध शुरू होने के बाद से अमेरिका ने कम से कम 81 मिलिट्री एयरक्राफ्ट और ड्रोन खो दिए हैं। यह नुकसान ईरान की ओर से की गई जवाबी कार्रवाई में हुआ है। यह दुर्लभ आधिकारिक ब्यौरा दिखाता है कि इसमें अमेरिका के कुछ सबसे एडवांस्ड युद्धक विमान शामिल हैं, जैसे एफ-35ए लाइटनिंग2 स्टील्थ फाइटर, एफ-15 जेट और एमक्यू-9 रीपर ड्रोन।

रिपोर्ट में बताया गया है कि हर एफ-15 जेट की कीमत 3 करोड़ डॉलर से ज्यादा है, जबकि 45 एमक्यू-9 रीपर ड्रोन में से हर एक की कीमत 3 से 5 करोड़ डॉलर के बीच होने का अनुमान है। अमेरिका के सबसे एडवांस्ड युद्धक विमानों में से एक, पांचवीं पीढ़ी के एफ-35ए की कीमत 9.2 करोड़ डॉलर से ज्यादा है। ईरान के खिलाफ जंग को ऑपरेशन एपिक फ्यूरी नाम दिया गया था। रिपोर्ट के अनुसार, मिडिल ईस्ट में मिशन के दौरान अमेरिकी सेना ने 12 एफ-15ई एयरक्राफ्ट, एक एफ-35ए लाइटनिंग 2 फाइटर एयरक्राफ्ट, दो ए-10 थंडरबोल्ट 2 ग्राउंड-अटैक एयरक्राफ्ट और सात केसी-135 स्ट्रैटोटैंकर एरियल रीफ्यूलिंग एयरक्राफ्ट खो दिए। रिपोर्ट से पता चला कि 2 मार्च को कुवैत के ऊपर फ्रेंडली फायर में तीन एफ-15 जेट मार गिराए गए थे, और अगले महीने ईरान के ऊपर एक और जेट मार गिराया गया था। इसके अतिरिक्त, 9 और 10 सितंबर को जॉर्डन के मुवाफक साल्टी एयर बेस पर ईरान के हवाई हमलों के दौरान कम से कम आठ अन्य एफ-15ई विमानों को भी मामूली नुकसान पहुंचा।

अमेरिकी सेना ने कई अन्य महत्वपूर्ण विमान भी खो दिए हैं, जिनमें एक ई-3 सेंट्री एयरबोर्न अर्ली वॉर्निंग-एंड-कंट्रोल सिस्टम विमान (जो 27 करोड़ डॉलर प्रति विमान का है), दो एमसी-130ख कमांडो 2 स्पेशल ऑपरेशन्स विमान, एक एचएच-60 जॉली ग्रीन 2 कॉम्बैट सर्च-एंड-रेस्क्यू हेलीकॉप्टर, एक एमक्यू-4सी ट्राइटन हाई-ऑल्टिट्यूड लॉन्ग-एंड्योरेंस अनक्रूड विमान, तीन एमक्यू-1 मल्टी-रोल अनक्रूड विमान और 45 एमक्यू-9 रीपर मल्टी-रोल अनक्रूड विमान शामिल हैं।

विश्वभर में न्यूमोनिक प्लेग को लेकर फिर से बढ़ी चिंताएं

मास्को। दुनिया भर में न्यूमोनिक प्लेग को लेकर चिंताएं एक बार फिर से बढ़ गई हैं। रूस में एक 28 वर्षीय लैब कर्मचारी की संदिग्ध मौत के बाद इस चिंता में बढोत्तरी हुई है। इस घटना ने यर्सिनिया पेस्टिस नामक बैक्टीरिया से होने वाली इस गंभीर बीमारी के प्रति लोगों को जागरूक होने की आवश्यकता पर जोर दिया है। न्यूमोनिक प्लेग, जो फेफड़ों को सीधे तौर पर प्रभावित करता है, प्लेग के सबसे गंभीर रूपों में से एक माना जाता है और यह एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में तेजी से फैल सकता है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रूस में जिस लैब कर्मचारी का निधन हुआ, वह ऐसे बैक्टीरिया के संपर्क में आया था जो प्लेग का कारण बनता है। इस घटना के बाद एहतियात के तौर पर लगभग 200 लोगों को आइसोलेट किया गया था, ताकि संक्रमण के संभावित फैलाव को रोका जा सके। यह घटना हमें न्यूमोनिक प्लेग के बारे में गहराई से समझने की जरूरत का एहसास कराती है। न्यूमोनिक प्लेग यर्सिनिया पेस्टिस नामक बैक्टीरिया से होने वाली एक गंभीर संक्रामक बीमारी है जो मनुष्यों और कुछ जानवरों को संक्रमित कर सकती है। प्लेग के तीन मुख्य रूप होते हैं - ब्यूबोनिक, सेप्टीसीमिक और न्यूमोनिक। इन तीनों में, न्यूमोनिक प्लेग सबसे घातक माना जाता है क्योंकि यह सीधे फेफड़ों पर हमला करता है। इस बीमारी का सबसे खतरनाक पहलू इसका इंसानों से इंसानों में फैलने की क्षमता है। जब कोई संक्रमित व्यक्ति या जानवर खांसता या छींकता है, तो सांस के साथ निकलने वाली छोटी बूंदें हवा में फैल जाती हैं। यदि कोई स्वस्थ व्यक्ति इन बूंदों को सांस के जरिए अंदर ले लेता है, तो उसे भी संक्रमण हो सकता है।

पालतू जानवर, खासकर संक्रमित बिल्लियां, भी इस बीमारी के फैलाव का एक माध्यम बन सकती हैं। इसलिए, संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आए लोगों पर कड़ी निगरानी रखना अत्यंत आवश्यक है। न्यूमोनिक प्लेग के लक्षण तेजी से उभरते हैं। इनमें अचानक तेज बुखार, ठंड लगना, सिरदर्द, अत्यधिक कमजोरी, सांस लेने में कठिनाई, सीने में दर्द और लगातार खांसी शामिल हैं। कुछ गंभीर मामलों में खांसी के साथ खून या पानी जैसा बलगम भी आ सकता है। यदि किसी व्यक्ति में ऐसे लक्षण दिखाई देते हैं, खासकर यदि वह प्लेग-प्रभावित क्षेत्र से आया हो या किसी संदिग्ध संक्रमित व्यक्ति या जानवर के संपर्क में आया हो, तो उसे तत्काल चिकित्सा सहायता लेनी चाहिए।

विवाद: एच1-बी बीजा धारकों को मजदूर बोल रहा अमेरिका ?

वॉशिंगटन। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने एच1-बी वीजा धारकों की तुलना बंधुआ मजदूरों से करके एक नया विवाद खड़ा कर दिया है।

यह बयान ऐसे समय में आया है जब भारत से कई उच्च शिक्षित पेशेवर इस वीजा के सहारे अमेरिकी कंपनियों में काम करने जाते हैं। वेंस का यह आरोप अमेरिकी सरकार द्वारा हाल ही में कई बड़ी आईटी कंपनियों को ग्रीन कार्ड कार्यक्रम से निलंबित करने के निर्णय के साथ मेल खाता है, जिनमें भारत की प्रमुख कंपनियां जैसे टाटा, विप्रो और इन्फोसिस भी शामिल हैं।

जेडी वेंस ने अपने बयान को पुष्ट करने के लिए आंकड़ों का ब्योरा दिया। उन्होंने दावा किया कि एच1-बी वीजा के तहत काम करने वाले व्यक्ति उसी पद पर कार्यरत अमेरिकी नागरिक की तुलना में कम कमा रहे हैं। वेंस के अनुसार, अगर आप अमेरिका में एच1-बी वीजा पर काम कर रहे हैं, तो आप उसी पद पर काम करने वाले अमेरिकी नागरिक की तुलना में 20,000 डॉलर कम कमा रहे हैं। अगर आपको किसी विदेशी आउटसोर्सिंग कंपनी ने बुलाया है, तो आप उसी तरह के पद पर काम करने वाले अमेरिकी नागरिक की तुलना में 48,000 डॉलर कम कमा रहे हैं। उन्होंने आगे कॉर्पोरेट कंपनियों पर भड़कते हुए कहा, इसलिए मुझे यकीन है कि यहां मौजूद हर कोई समझता है कि क्या खेल चल रहा है। आप देश के बाहर से बंधुआ मजदूरों की तरह लोगों को लाते हैं, अमेरिकी कर्मचारियों को नौकरी से निकालते हैं। अगर आप एक कॉर्पोरेशन हैं, तो अमेरिकी कर्मचारियों की सैलरी कम करके और उनकी जगह ऐसे लोगों को रखकर बहुत सारा पैसा कमाते हैं, जिन्हें असल में अमेरिका में होना ही नहीं चाहिए।

वेंस के ये आरोप एच1-बी वीजा कार्यक्रम के दुरुपयोग और अमेरिकी श्रम बाजार पर इसके कथित नकारात्मक प्रभावों को लेकर चल रही बहस को और तेज करते हैं इस बीच, अमेरिकी सरकार ने स्थायी श्रम प्रमाणन कार्यक्रम से आठ कंपनियों को बाहर कर दिया है। इन कंपनियों में कॉग्निजेंट, इन्फोसिस, टाटा, विप्रो, एचसीएल, कैपजेमिनी, माइक्रोसॉफ्ट और एडोबी शामिल हैं। अमेरिका का आरोप है कि इन कंपनियों की नीतियों के कारण अमेरिकी नागरिकों के लिए रोजगार के अवसरों पर प्रतिकूल असर पड़ रहा था। अमेरिकी श्रम मंत्री कीथ सोंडरलिंग ने इन कंपनियों पर रोजगार वीजा कार्यक्रम का गलत इस्तेमाल करने और अमेरिकी कर्मचारियों से नौकरियां छीनने का आरोप लगाया। सोंडरलिंग ने अपने बयान में कहा, मैं दुनिया की कुछ सबसे बड़ी आईटी आउटसोर्सिंग फर्मों, कॉग्निजेंट, इन्फोसिस, टाटा, विप्रो, एचसीएल और कैपजेमिनी को पीईआरएम से निलंबित कर रहा हूं।

फार्मा, बायोटेक और मेडिकल डिवाइस सेक्टर में निवेश का प्रमुख केंद्र बनेगा मध्यप्रदेश: मुख्यमंत्री

लगभग 19,477 करोड़ रुपए के प्रस्तावित निवेश और 18,646 रोजगार सृजन की संभावना

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश फार्मा, बायोटेक और मेडिकल डिवाइस क्षेत्र में निवेश के लिए व्यापक अवसर उपलब्ध करा रहा है। प्रदेश में दवा निर्माण, सक्रिय औषधीय घटक (एपीआई), अनुसंधान, परीक्षण और चिकित्सा उपकरणों के उत्पादन की संपूर्ण मूल्य श्रृंखला विकसित करना राज्य सरकार का लक्ष्य है। मध्यप्रदेश की केंद्रीय भौगोलिक स्थिति, विकसित औद्योगिक क्लस्टर, कुशल मानव संसाधन और निवेश प्रोत्साहन इस दिशा में मजबूत आधार प्रदान करते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुंबई में फार्मा सेक्टर की राउंड टेबल चर्चा में प्रमुख उद्योग प्रतिनिधियों से संवाद किया। चर्चा में प्रदेश में फार्मा विनिर्माण, अनुसंधान एवं विकास, निर्यात और नई तकनीक पर आधारित निवेश की संभावनाओं पर विचार-विमर्श हुआ।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत आज ह्लफामेसी ऑफ द वर्ल्डह्व के रूप में पहचाना जाता है। भारतीय दवाएं 200 से अधिक वैश्विक बाजारों तक पहुंच रही हैं। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत का फार्मा निर्यात 30.47 बिलियन अमेरिकी डॉलर रहा। इस राष्ट्रीय विकास यात्रा में मध्यप्रदेश एक मजबूत, भरोसेमंद और तेजी से उभरता हुआ भागीदार है। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश में निर्मित फार्मा उत्पाद 160 से अधिक देशों तक पहुंचते हैं। वर्ष 2023-24 में प्रदेश से लगभग 11,889 करोड़ रुपए के फार्मा उत्पादों का निर्यात दर्ज किया गया। प्रदेश का मौजूदा विनिर्माण आधार और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों से जुड़ाव नई निवेश परियोजनाओं के लिए अवसर उपलब्ध कराता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रदेश में 300 से अधिक फार्मा कंपनियां और 30 से अधिक एपीआई एवं बल्क ड्रग विनिमार्ता हैं। इंदौर, पीथमपुर-धार, भोपाल-रायसेन, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर, देवास, भिंड और मुरैना में फार्मा उद्योग का आधार विकसित हुआ है। इंदौर क्लस्टर में 96 से अधिक, पीथमपुर-धार में 57 से अधिक और भोपाल-रायसेन में 36 से अधिक फार्मा इकाइयां दर्ज हैं। प्रदेश में 40 मेडिकल कॉलेज, 200 से अधिक फामेर्सी कॉलेज और 140 से अधिक इंजीनियरिंग कॉलेज उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश निवेशकों को भूमि के साथ प्रशिक्षित मानव संसाधन, परिवहन संपर्क और बाजार तक पहुंच की सुविधाएं भी उपलब्ध कराता है। यह औद्योगिक परिवेश विनिर्माण के साथ अनुसंधान और तकनीक आधारित गतिविधियों के विस्तार में सहायक है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि पिछले 18 महीनों में फार्मा क्षेत्र के 54 निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इनमें लगभग 19,477 करोड़ रुपए का प्रस्तावित निवेश और लगभग 18,646 रोजगार सृजन के अवसरों की संभावना है। इनमें से 34 इकाइयों के लगभग 12,306 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्तावों के लिए भूमि आवंटित की जा चुकी है। इन परियोजनाओं से लगभग 10,298 रोजगार अवसर सृजित होने की संभावना है। इसी अवधि में 14 इकाइयों ने उत्पादन प्रारंभ किया है। इंदौर , देवास, उज्जैन, भोपाल, धार, रायसेन, सीहोर, ग्वालियर और भिंड जैसे जिलों में नई फार्मा एवं लाइफ साइंस इकाइयों की गतिविधियों से प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में औद्योगिक विकास को गति मिल रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उद्योग संवर्धन नीति-2025 में फार्मा, बायोटेक और मेडिकल डिवाइस को फोकस सेक्टर बनाया गया है। पात्र स्थायी पूंजी निवेश पर 40 प्रतिशत तक मूल निवेश प्रोत्साहन सहायता (बीआईपीए) का प्रावधान है। एपीआई, बल्क ड्रग और मेडिकल डिवाइस के लिए 1.3 गुना गुणक का प्रावधान भी किया गया है।

कंपनी के अपने अनुसंधान एवं विकास कार्यों के व्यय पर 50 प्रतिशत सहायता तथा परीक्षण प्रयोगशालाओं और गुणवत्ता प्रमाणन के लिए अलग-अलग 1 करोड़ रुपए तक सहायता उपलब्ध है। स्वतंत्र अनुसंधान एवं विकास केंद्रों के लिए स्थायी पूंजी निवेश की 25 प्रतिशत सहायता, अधिकतम 25 करोड़ रुपए तक देने का प्रावधान है।

5.63 लाख रुपये में बिका 0001 नंबर

इंदौर : इंदौर आरटीओ में वीआईपी नंबरों का क्रेज एक बार फिर सामने आया है। 0001 नंबर तीन साल बाद फिर 5 लाख रुपए का आंकड़ा पार कर गया। गुरुवार को MP-09 इे सीरीज के इस प्रीमियम नंबर के लिए हुई ई-नीलामी में बोली 5.63 लाख रुपए तक पहुंची। एक लाख रुपए के बेस प्राइस वाले इस नंबर के लिए चार दावेदार मैदान में थे। बोली शुरू होने के बाद दावेदारों के बीच मुकाबला बढ़ता गया और आखिरकार नंबर 5.63 लाख रुपए में बिका।

तीन साल बाद फिर 5 लाख के पार पहुंची वीआईपी नंबर की बोली

परिवहन विभाग के अधिकारियों के अनुसार करीब तीन साल बाद इसकी कीमत फिर 5 लाख रुपए के पार पहुंची है। यह नंबर इस दौरान बेस प्राइस से लेकर साढ़े चार लाख रुपए तक में बिका था। इसके अलावा खास बात यह भी है कि श्राद्ध पक्ष में लगातार दूसरे सप्ताह 0001 नंबर लाखों रुपए में बिका है। पिछले सप्ताह हुई नीलामी में यही नंबर 4.40 लाख रुपए में गया था। यानी दो सप्ताह से लगातार इस नंबर की सबसे ज्यादा डिमांड रही।

उज्जैन में अपनी ही सरकार के खिलाफ सड़क पर बहते गंदे पानी के बीच धरने पर बैठे भाजपा पार्षद

उज्जैन : राजनीतिक गलियारों में गुरुवार को उस वक्त हलचल मची, जब जनता के हक की लड़ाई लड़ते हुए सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी के पार्षद हेमंत गेहलोत बागी तेवर अपनाकर सड़क पर बहते गंदे सीवरेज के बीच धरने पर बैठ गए। मामला वार्ड 2 का है, जहां के नागरिक लंबे समय से पीने को गंदा पानी मिलने और सड़क पर बहते सीवरेज की समस्या से परेशान हैं।

पिपलीनाका-भैरवगढ़ मुख्य मार्ग पर सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक चले प्रदर्शन में पार्षद ने जनता की इस भीषण पीड़ा को उजागर करने के लिए मीडिया के सामने दो बोतलों में वह दूषित पानी दिखाया, जो नगर निगम द्वारा सीधे शहरवासियों के घरों में पीने के लिए सप्लाई किया जा रहा है। इस जहरीले पानी को पीकर आमजन गंभीर बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। अफसरों को शिकायत की, वे मौका भी देख गए मगर समस्या का समाधान नहीं किया। इसलिए मुझे रहवासियों संग धरने पर बैठना पड़ा।

धरने की खबर मिलते ही निगम के प्रशासनिक अमले में भगदड़ मच गई। मौके पर स्थिति संभालने पहुंचे अपर आयुक्त पवन कुमार सिंह को पार्षद और रहवासियों के भारी आक्रोश का सामना करना पड़ा। पार्षद गेहलोत ने अधिकारियों को आड़े हाथों लेते हुए जमकर खरी-खोटी सुनाई। उन्होंने पीएचई के कार्यपालन यंत्री शिवम दुबे की कार्यप्रणाली पर प्रहार करते हुए उनके तत्काल इस्तीफे की मांग उठा दी। यही नहीं, अधिकारियों की उदासीनता पर कटाक्ष करते हुए कहा कि शिवम दुबे और साहिल मेदावाला जैसे जिम्मेदार अधिकारी फोन तक उठाना मुनासिब नहीं समझते।

विकास कार्यों में नहीं आने देंगे कोई कमी : राज्यमंत्री

भोपाल। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि ह्लक्षेत्र के सर्वांगीण विकास में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी, जनता की निष्काम सेवा के माध्यम से मिले दायित्व का ऋण उतारना ही मेरी पहली प्राथमिकता है ।ह्व राज्यमंत्री श्रीमती गौर गुरुवार को गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत वार्ड क्रमांक-60 में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं।

दमोह जिले में 105 बच्चों की समग्र आईडी में हेरफेर कर मतांतरण की आशंका

दमोह। दमोह जिले में एक ही परिवार की समग्र आईडी से मिशन ट्रस्ट के बाल भवन के 105 बच्चों का पंजीयन पाया गया है। समग्र आईडी में हेराफेरी करके किए गए इस फजीवार्ड़े में मिशन ट्रस्ट से जुड़े संजीव लैबरर्ट को पुलिस ने धोखाधड़ी और मतांतरण के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल, आशंका है कि बच्चों का मतांतरण कराने की मंशा से ऐसा किया गया।

मामले में अभी भी पांच आरोपी फरार है। मामले की शिकायत के बाद कलेक्टर प्रताप नारायण यादव के आदेश पर चार सदस्यीय जांच टीम ने जांच की। जांच में समग्र आईडी में हेराफेरी के आरोप सही पाए। इसके बाद वैधानिक कार्रवाई की गई। पुलिस ने संजीव लैबरर्ट को हिरासत में लेकर छह आरोपियों के विरुद्ध फर्जी दस्तावेज तैयार करने व उनका उपयोग करने की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया है।

एक ही परिवार के नाम दर्शाए

इस फजीवार्ड़े के मामले में पांच अन्य आरोपित रामलाल कश्यप, प्रवीण पाल, जगदीश, पार्थ राजपूत और दिलीप फरार हैं। देहात थाना प्रभारी धर्मेंद्र उपाध्याय ने बताया कि इन बच्चों के जैविक माता-पिता के स्थान पर हेरफेर करके समग्र आईडी में उनके नाम एक ही परिवार के दर्शाए गए हैं। आरोपी संजीव लैंबरर्ट ने वर्ष 2016 में एक बालक का नाम अपने घर की समग्र आईडी में दर्ज कराया था।

आशंका जताई जा रही है कि ऐसा करके बालक का मतांतरण कराया गया है। पूछताछ के दौरान आरोपित ने बताया कि संबंधित बालक वर्तमान में छत्तीसगढ़ में रह रहा है। थाना प्रभारी ने स्पष्ट किया कि पुलिस टीम बताए गए पते पर जाकर पड़ताल करेगी। मतांतरण के आरोपों की सच्चाई बालक के बयान दर्ज होने के बाद ही पता चल पाएगी।

बच्चों की पहचान में हेरफेर

जांच में पाया गया है कि प्रवीण पाल की फैमिली आईडी 25385117 में एक बच्चे का रिश्ता गोद लिया दर्ज है। ऐसे कई आईडी मिले हैं, जिनमें बच्चों को गोद लिया दर्ज किया गया है। जांचकर्ता पता कर रहे हैं कि क्या बच्चों की पहचान में कथित हेरफेर, गोद लिए हुए या किसी मतांतरण गतिविधि के बीच कोई संबंध है।

जबलपुर में स्मार्ट मीटर से छेड़छाड़ कर बिजली चोरी करने वाले 150 लोगों के खिलाफ केस दर्ज

जबलपुर। जबलपुर शहर के सर्वाधिक लाइन लास और बिजली चोरी वाले क्षेत्रों में बिजली विभाग ने गुरुवार को सघन जांच अभियान चलाया। जेसू पूर्व संभाग के अंतर्गत चांदनी चौक, पसियाना, बहोराबाग, मदार टेकरी, स्लाटर हाउस, चारखंभा और मोतीनाला समेत अन्य क्षेत्रों में हुई कार्रवाई में कुछ ही घंटों में बिजली चोरी करते पाए गए करीब 150 उपभोक्ताओं के खिलाफ विद्युत अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किए गए।

जांच में बड़ी संख्या में स्मार्ट मीटर लगे होने के बावजूद उनसे छेड़छाड़ कर बिजली चोरी किए जाने के मामले भी सामने आए। अभियान की खास बात यह रही कि बिजली चोरी के प्रकरण दर्ज करने के साथ ही संबंधित कनेक्शन तत्काल काटे गए।

विभाग ने दो अतिरिक्त गैंग लगाकर पोल से लाइन काटने की कार्रवाई भी की। चोरी में संलिप्त उपभोक्ताओं के खिलाफ पंचनामे तैयार करने के बाद तत्काल बिलिंग की गई और करीब 15 लाख रुपये से अधिक की राशि के अनंतिम निर्धारण आदेश जारी किए गए।

महिला अधिकारियों की टीम भी रही मौजूद

कार्रवाई का नेतृत्व अधीक्षण अभियंता संजय अरोरा ने किया। उनके साथ जेसू पावर हाउस के कार्यपालन अभियंता हरीश गुप्ता सहित शहर के 12 कनिष्ठ अभियंता और सहायक अभियंताओं की टीमें कार्रवाई में शामिल रहीं। जांच के दौरान कुछ स्थानों पर लोगों ने विरोध और हंगामा करने का प्रयास किया लेकिन विभाग की टीम में महिला अधिकारी और कर्मचारी भी शामिल थे। देर शाम तक जांच चलती रही। अधिकारियों के अनुसार पहले बिजली चोरी के प्रकरण दर्ज होने के बाद तत्काल कनेक्शन काटने में व्यावहारिक दिक्कतें आती थीं, जिससे कार्रवाई का अपेक्षित असर नहीं हो पाता था। इस बार विद्युत अधिनियम के प्रावधानों के तहत चोरी में संलिप्त उपभोक्ताओं के कनेक्शन तत्काल काटे गए हैं।

बड़े घरों में भी पकड़ी चोरी अभियान से पहले विभाग ने तकनीकी आधार पर क्षेत्रों की समीक्षा कर बिजली चोरी की आशंका वाले उपभोक्ताओं को चिह्नित किया था। जांच के दौरान अधिकारियों को कई स्थानों पर स्मार्ट मीटर से छेड़छाड़ के मामले मिले। अधिकारियों के अनुसार केवल छोटे मकानों या सामान्य उपभोक्ताओं तक बिजली चोरी सीमित नहीं थी, बल्कि बड़े मकानों में भी चोरी के मामले पकड़े गए।

अग्निवीर भर्ती में उम्र छिपाने का खेल, फर्जी आधार-मार्कशीट लेकर पहुंचे यूपी के 13 युवक

ग्वालियर : भारतीय सेना में अग्निवीर बनने की होड़ में फजीवार्ड़े का एक बड़ा मामला सामने आया है। अग्निवीर भर्ती के लिए अधिकतम आयु सीमा 22 वर्ष तय किए जाने के बाद, उम्र सीमा पार कर चुके युवाओं ने सेना में भर्ती होने के लिए नया हथकंडा अपनाया। उत्तरप्रदेश के करीब 13 युवकों ने अपनी जन्मतिथि, नाम और स्थानीय पता बदलकर आधार कार्ड में फजीर्वाड़ा किया। हालांकि, बायोमैट्रिक जांच और शैक्षणिक दस्तावेजों के सत्यापन के दौरान इस फजीवार्ड़े का खुलासा हो गया, जिसके बाद सभी युवकों को भर्ती प्रक्रिया से तुरंत बाहर कर दिया गया। भर्ती प्रक्रिया के दौरान जब

अभ्यर्थियों का बायोमैट्रिक परीक्षण किया गया और उनके फिंगरप्रिंट्स को सिस्टम में स्कैन किया गया, तो पूर्व का डाटा मिसमैच हुआ। इसके साथ ही जब उनके द्वारा जमा की गई मार्कशीट का सेना के अधिकारियों ने आनलाइन रिकार्ड से मिलान किया, तो कई अभ्यर्थियों की मार्कशीट भी फर्जी पाई गई। दस्तावेजों में की गई इस हेराफेरी के पकड़े जाते ही अधिकारियों ने इन्हें भर्ती स्थल पर ही पूछताछ की।

बोले- ओवरएज हो गए, इसलिए फर्जी दस्तावेज बनवा लिए : इन लोगों से पूछताछ की तो बोले कि ओवरएज हो गए हैं। पूर्व में भर्ती प्रक्रिया में शामिल हुए थे, इसलिए इनके नाम व अन्य रिकार्ड पूर्व से ही सेना की वेबसाइट पर हैं। इसलिए नाम तक बदलवा लिया। सेना में भर्ती होना था, इसलिए फर्जी दस्तावेज बनवाए। सेना के अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि फजीर्वाड़ा करने वाले अभ्यर्थियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है। ऐसे सभी युवाओं के फिंगरप्रिंट रिकॉर्ड सुरक्षित रख लिए गए हैं और उनके फर्जी दस्तावेज जब्त कर लिए गए हैं। भारतीय सेना की भर्ती से जुड़ी आधिकारिक भर्ती वेबसाइट पर इन युवकों को ब्लैकलिस्ट किया जा रहा है, ताकि वे भविष्य में दोबारा किसी भी सैन्य भर्ती प्रक्रिया में शामिल न हो सकें। 13 में से पांचों युवक उप्र के आगरा के रहने वाले हैं। बाकी युवक आसपास के जिलों के रहने वाले हैं। इन सभी युवकों के नाम उप्र में भी सेना भर्ती बोर्ड को भेजे जाएंगे।

शारीरिक परीक्षा में अब तक ऐसे 13 युवकों को पकड़ा है, जो फर्जी दस्तावेज के जरिये परीक्षा में शामिल होने की कोशिश कर रहे थे। फर्जी आधार कार्ड और फर्जी मार्कशीट बनवाकर शारीरिक परीक्षा में आए थे।

कर्नल पंकज कुमार
निदेशक, सेना भर्ती कार्यालय

मां करती थी रेकी, बेटा-बहू काटते थे ताले; 8 लाख के माल के साथ तीनों गिरफ्तार

सारनी। थाना क्षेत्र की शोभापुर कालोनी में वेकोलि कर्मी के घर का दरवाजा काटकर चोरी करने वाले गिरोह का पुलिस ने पदार्फाश किया है। इस मामले में चौंकाने वाली बात सामने आई है कि चोरी की वारदात के लिए घरों की रेकी आरोपित की मां करती थी, जबकि बेटा अपनी पत्नी के साथ मिलकर चोरी की घटना को अंजाम देता था। पुलिस ने मामले में मां, बेटे और बहू को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से सोने के आभूषण सहित करीब आठ लाख रुपये की सामग्री बरामद की है। पुलिस के अनुसार 29 सितंबर की रात शोभापुर कालोनी निवासी डब्ल्यूसीएल पाथाखेड़ा के चीफ मैनेजर माइनिंग डी. नंदकुमार के घर में चोरी की वारदात हुई थी। चोरों ने घर के पीछे का दरवाजा गैस कटर से काटकर अंदर प्रवेश किया। पूजा वाले कमरे में सो रही बुजुर्ग महिला के हाथ से दो सोने के कंगन और गले से सोने की चेन काट ली और मौके से फरार हो गया। पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

सेंट्रल जेल में डेंगू, 50 से ज्यादा बीमार, 3 की रिपोर्ट पॉजिटिव

इंदौर। सेंट्रल जेल में बीमार हुए 50 से ज्यादा कैदियों में से 3 में डेगू की पुष्टि हुई है। ज्यादातर कैदियों को टायफाइड निकला है। 2 अक्टूबर को बुखार के बाद एक कैदी की मौत हो गई थी। हालांकि इस मरीज की रिपोर्ट में डेंगू से मौत की पुष्टि तो नहीं हुई।

मौत की वजह सिकलसल एनिमिया बताया गया। लेकिन इसके बाद कई कैदियों को बुखार आने के बाद जेल प्रशासन हरकत में आया और स्वास्थ्य विभाग को सूचना दी गई। कैदियों को उपचार के लिए एमवाय अस्पताल भेजा गया, जहां जांच के बाद तीन कैदियों में डेंगू की रिपोर्ट पॉजिटिव मिली। इसके बाद 4 अक्टूबर से स्वास्थ्य विभाग के अमले द्वारा जेल परिसर में मौजूद डेंगू के लार्वा को नष्ट करने की कवायद की जा रही है। 15 दिन में एमवाय में 32 कैदियों को भर्ती कराया गया। फिलहाल 18 कैदी उपचाररत हैं। सेंट्रल जेल में बुखार का सिलसिला शुरू हुआ तो इसकी चपेट में 50 से ज्यादा कैदी आ गए हैं। ज्यादातर को टायफाइड हुआ है। जेल अधीक्षक दिनेश नरगांवे ने बताया कि लगभग 20 मरीज ठीक हो चुके हैं और बाकी का उपचार चल रहा है। मलेरिया विभाग की टीम जब जेल में डेंगू का लार्वा नष्ट करने पहुंची तो उन्हें तीन से चार हजार कंटेनरों में डेंगू का लार्वा मिला है, जिसे दवाइयां डालकर नष्ट किया गया है।

धार में हाईवे पर दौड़ती कार में लगी आग, सात लोग बाल-बाल बचे, महाकाल के दर्शन करने उज्जैन जा रहा था परिवार

राजोद (धार) : अहमदाबाद से उज्जैन महाकाल दर्शन के लिए जा रहे परिवार की मारुति सुजुकी एर्टिगा कार में शुक्रवार सुबह बोरखली के पास हाईवे पर अचानक आग लग गई।

कार में सात लोग सवार थे। आग तेजी से फैलने के कारण कार पूरी तरह जल गई। गनीमत रही कि सभी सात लोग समय रहते बाहर निकल आए और जनहानि नहीं हुई। हादसे में कार के साथ उसमें रखे कपड़े, अन्य सामान और 8 हजार रुपये नकद भी जल गए।

जानकारी के अनुसार, गुजरात के अहमदाबाद से सात लोग एर्टिगा कार क्रमांक GJ 27 TD 6120 से उज्जैन महाकाल दर्शन के लिए जा रहे थे। शुक्रवार सुबह करीब 6:26 बजे धार जिले के बोरखली में राजोद थाना क्षेत्र के अंतर्गत हाईवे पर कार में अचानक आग लग गई। चलते वाहन में आग लगने से सवार लोगों के सामने मुश्किल स्थिति पैदा हो गई। देखते ही देखते आग ने कार को अपनी चपेट में ले लिया। आग से वाहन पूरी तरह जल गया और परिवार का सामान भी नष्ट हो गया।

कार में सवार थे सात लोग

कार में चालक मयूर कुमार बलवंत भाई पटेल (40), जयस पिता मूलजी भाई जोशी (58), भारत भाई करमचंद गोशालिया (59), अपूर्व जयस जोशी (29), कनक जयस जोशी (55), दक्ष भरत गोशालिया (56) और अभी भारत गोशालिया (28) सवार थे। हादसे में सभी सुरक्षित रहे। कार जलने के बाद यात्रियों को दूसरे वाहन से उनके घर रवाना किया गया।

डॉयल-112 की टीमों ने पहुंचकर की मदद

वाहन में आग लगने की सूचना मिलने पर राजोद थाने की एफआरवी-14 और सरदारपुर थाने की एफआरवी-11 मौके पर पहुंचीं। डायल-112 की टीमों ने कार में सवार लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने में मदद की। राहत कार्य में राजोद थाने के कांस्टेबल प्रकाश और पायलट तुलसीराम मेडा तथा सरदारपुर थाने के कांस्टेबल सौरभ मोरे और पायलट नितेश बाबेरिया की भूमिका रही।

महत्वपूर्ण ख़बर

भुवनेश्वर कुमार के बाद अब मोहम्मद शमी की भी होगी वापसी ?

■ नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए टीम इंडिया में भुवनेश्वर कुमार की वापसी हुई। इसके बाद अब मोहम्मद शमी को लेकर भी चर्चा हो रही है क्या उनके लिए भी भारतीय टीम के दरवाजे खुल जाएंगे? इसको लेकर टीम इंडिया के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने प्रतिक्रिया दी है। कोटक ने शमी की वापसी पर सीधे तौर पर कोई भी बयान नहीं दिया। उनका कहना है कि अगर कोई खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और सेलेक्टर्स को लगता है कि टीम को उसकी जरूरत है, तो उसका सेलेक्शन हो सकता है।

शुभम अरोड़ा हिमाचल रणजी टीम के कप्तान

कांगड़ा से आकाश वशिष्ठ, अर्पित गुलेरिया और इनेश भी शामिल

धर्मशाला। बीसीसीआई की रणजी ट्रॉफी 2026-27 के एलीट चरण के लिए हिमाचल प्रदेश क्रिकेट संघ ने 15 सदस्यीय वरिष्ठ पुरुष टीम की घोषणा कर दी है।

टीम में हमीरपुर के शुभम अरोड़ा, कांगड़ा से आकाश वशिष्ठ, अर्पित गुलेरिया और इनेश महाजन समेत प्रदेश के विभिन्न जिलों के खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। पेशेवर श्रेणी से आर्यमान धालीवाल, नेहल वढेरा और कप्तान पुखराज मान को टीम में जगह दी गई है। टीम में शिमला से जितेंद्र, मुकुल नेगी और वैभव काल्टा, सोलन से दिवेश तथा ऊना से अमनप्रीत सिंह, ऋतिक कालिया और नितिन शर्मा शामिल हैं।

टीम के मुख्य प्रशिक्षक विनीत सक्सेना होंगे, जबकि गेंदबाजी प्रशिक्षक गगनदीप सिंह और क्षेत्ररक्षण प्रशिक्षक शकुन सैनी नियुक्त किए गए हैं। सौरव ठाकुर फिजियो, जरनैल सिंह शक्ति एवं अनुकूलन प्रशिक्षक, राज किरीट कपाड़िया वीडियो विश्लेषक और बृजेश शर्मा मालिश विशेषज्ञ की जिम्मेदारी संभालेंगे। टीम प्रबंधक राजेश पुरी होंगे।

हिमाचल अपने अभियान की शुरूआत 11 अक्तूबर को हरियाणा के खिलाफ लाहली में करेगा। इसके बाद 18 अक्तूबर को बिलासपुर में मुंबई से मुकाबला होगा। 26 अक्तूबर को चंडीगढ़ में चंडीगढ़ के खिलाफ मैच खेला जाएगा। दो नवंबर से धर्मशाला में राजस्थान के खिलाफ चार दिवसीय मुकाबला होगा। नए साल में हिमाचल का मुकाबला 17 जनवर को तमिलनाडु से होगा, जबकि 24 जनवरी को धर्मशाला में उत्तराखंड और पहली फरवरी को धर्मशाला में रेलवे के खिलाफ मुकाबले निर्धारित हैं। सभी लीग मैच चार दिवसीय प्रारूप में खेले जाएंगे।

वैभव कहीं गायब न हो जाएं

कपिल देव ने किया आगाह, विनोद कांबली से की तुलना

नई दिल्ली। युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी ने कम वक्त में अपनी एक अलग पहचान बना ली है। वह अभी 15 साल के हैं और भारत ही नहीं बल्कि विश्व क्रिकेट जगत में चर्चा का विषय बने हुए हैं। सलामी बल्लेबाज सूर्यवंशी ने आईपीएल में धमाल मचाने के बाद टीम इंडिया में एंट्री की। उन्होंने जुलाई, 2026 में इंग्लैंड में इंटरनेशनल डेब्यू किया। वह इंग्लैंड में फ्लॉप रहे, लेकिन जिम्बाब्वे में छाप छोड़ने में कामयाब रहे। वह भारतीय टी-20 टीम के साथ एशियन गेम्स के लिए जापान भी गए। सूर्यवंशी को अभी तक भारतीय सरजमीं पर इंटरनेशनल मैच खेलने का मौका नहीं मिला है। 1983 विश्व कप विजेता कप्तान कपिल देव को सूर्यवंशी की काबिलीयत पर संदेह नहीं हैं। हालांकि, भारत के महान ऑलराउंडर कपिल ने सूर्यवंशी को आगाह किया है।

उनका मानना है कि सूर्यवंशी को वर्ल्ड क्रिकेट में स्टार बनने के लिए लंबा सफर तय करना होगा। कपिल ने पूर्व बल्लेबाज विनोद कांबली का उदाहरण दिया, जिन्होंने तेजी से नाम कमाया और फिर गायब हो गए। कांबली का 90 के दशक में बेहद प्रतिभाशाली क्रिकेटरों में शुमार होता था मगर वह भारत के लिए 17 टेस्ट 104 वनडे ही खेल पाए। कपिल ने कहा, अभी बहुत जल्दी है। क्या उसमें काबिलीयत है? हां। लेकिन क्रिकेट में ऐसे बहुत से लोग हुए हैं, जो बहुत काबिलीयत के साथ आए, फिर गायब हो गए। विनोद कांबली को देखिए। हम उसके बारे में क्या कहेंगे? वैभव 16 साल का है। उसे और तीन साल दें, फिर हम बात करेंगे। जब उसका लाइफस्टाइल बदलेगा, तो उसकी सोच भी बदलेगी। तब हमें पता चलेगा कि अगले दो साल बाद वह कैसा दिखेगा। यह उसकी परफॉर्मेंस देखने से ज्यादा जरूरी है। हमने रोहित, विराट को देखा है।

भारत के खिलाफ सीरीज से पहले ही न्यूजीलैंड पर टूटी आफत, चोट के कारण बाहर हुए दो धाकड़ खिलाड़ी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम को न्यूजीलैंड दौरे पर पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है और इस सीरीज से पहले मेजबान टीम को दो झटके लग गए हैं। उसके दो खिलाड़ी चोट के चलते टी20 सीरीज से बाहर हो गए हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने बताया है कि टी20 टीम में शामिल किए गए मार्क चैपमैन और जैक फॉल्कस चोट के चलते भारत के खिलाफ नहीं खेल पाएंगे।

यह सीरीज 22 अक्टूबर से शुरू हो रही है और एक नवंबर को खत्म होगी। भारत ने इस सीरीज के लिए टीम का एलान कर दिया है। न्यूजीलैंड को चोट के चलते अपनी टीम में बदलाव करने पड़े हैं।

रिप्लेसमेंट का किया एलान

न्यूजीलैंड ने इन दोनों चोटिल खिलाड़ियों के रिप्लेसमेंट का भा एलान कर दिया है। न्यूजीलैंड ने बताया कि ऑलराउंडर जोश क्लार्कसन और तेज गेंदबाज ब्लेयर टिकनेर को टीम में

शामिल किया गया है। चैपमैन को बाएं पैर में मांसपेशियों में चोट है जो उन्हें यूरोपियन प्रीमियर लीग खेलते हुए लगी थी। हालांकि, उनके वनडे सीरीज तक फिट होने की उम्मीद है। इसके अलावा जैक को अपनी घरेलू टीम कैंटरबरी के साथ अभ्यास करते हुए चोट लगी थी। उनको चोट से उबरने में समय लग सकता है।

टीम के कोच रॉब वॉल्टर ने कहा, "मैं मार्क और जैक के लिए दुखी हूं। मैं दोनों के अच्छी तरह से ठीक होने की कामना करता हूं। हम भाग्यशाली हैं कि हमें जोश और ब्लेयर की सेवाएं मिलेंगी। मैं जानता हूं कि वह एक शानदार टी20 सीरीज के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।"

ऐसा है शेड्यूल

सीरीज का पहला मैच 22 अक्टूबर को क्राइस्टचर्च में खेला जाएगा। 24 अक्टूबर को क्राइस्टचर्च में ही दूसरा मैच होगा। 27 तारीख को वेलिंग्टन तीसरे मैच की मेजबानी करेगा। 30 को ऑकलैंड में चौथा मैच खेला जाएगा। 1 नवंबर को दोनों टीमें हेमिल्टन में आखिरी टी20 मैच खेलेंगी और फिर चार तारीख से वनडे सीरीज की शुरूआत होगी।

कपिल देव ने जब दाऊद इब्राहिम को ड्रेसिंग रूम से डांटकर भगाया, पूर्व कप्तान के गुस्से से चुपचाप निकल गया था अंडरवर्ल्ड डॉन

नई दिल्ली। एक समय ऐसा था, जब क्रिकेट से लेकर फिल्मी दुनिया तक, अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम का बोलबोला था। क्रिकेट में मैच फिक्सिंग और खिलाड़ियों से भी दाऊद का संपर्क था और उसका नाम इसमें कई बार सामने आया था। दाऊद का नाम सुनकर ही लोग खौफ में आ जाते थे लेकिन एक नाम ऐसा था, जिसने इस डॉन को डांटकर ड्रेसिंग रूम से बाहर निकाल दिया था।

ये बात आज से लगभग 40 साल पहले की है, जब 80 और 90 के दशक में दाऊद का बोलबाला होता था। भारत, पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के बीच यूएई में ट्राई सीरीज खेली जा रही थी। ये सीरीज यूएई में खेला जा रही थी और फाइनल के दौरान दाऊद भारत के ड्रेसिंग रूम में घुस आया था। इसके बाद भारतीय टीम के कप्तान कपिल देव ने उसे डांटकर बाहर निकाल दिया था।

भारत और पाकिस्तान का था फाइनल

दरअसल, 1986 में खेली गई इस ट्राई सीरीज का फाइनल मुकाबला भारत और पाकिस्तान के बीच खेला गया। मुकाबले से एक दिन पहले भारतीय टीम के खिलाड़ी नेट में अभ्यास करने के बाद ड्रेसिंग रूम में मौजूद थे। इस दौरान मशहूर

अभिनेता महमूद कुछ लोगों के साथ भारतीय ड्रेसिंग रूम में पहुंचे। उन्होंने टीम इंडिया के प्लेयर्स को बताया कि वो एक बड़ा बिजनेसमैन है लेकिन असल में वो दाऊद इब्राहिम था।

दाऊद जब भारतीय टीम के ड्रेसिंग रूम में आया, तो उसने बात करते हुए खिलाड़ियों को ऑफर दिया। उसका कहना था कि अगर टीम इंडिया फाइनल में पाकिस्तान को हरा देती है, तो टीम के हर खिलाड़ी को एक टोयोटा कोरोला कार गिफ्ट में दी जाएगी। ये सुनकर हर कोई हैरान था क्योंकि ये विदेशी कार थी, जो उस दौर में मिलना बड़ी बात होती थी।

जब दाऊद टीम इंडिया के ड्रेसिंग रूम में आया, तो उस भारतीय कप्तान कपिल देव मौजूद नहीं थे। वे प्रेस कॉन्फ्रेंस से वापस आए, तो बाहरी लोगों को देखकर भड़क गए। उन्होंने महमूद से साफ शब्दों में उन्हें बाहर जाने को कहा।

कपिल ने दाऊद को भी कड़े लहजे में कहा, ये कौन है, बाहर जाओ अभी। इसके बाद दाऊद चुपचाप बाहर चला गया। बाद में कपिल देव को बताया गया कि वो शख्स दाऊद था लेकिन पूर्व भारतीय कप्तान को इसके बावजूद न कोई डर लगा और न ही उनके चेहरे पर कोई शिकन थी।

कारोबार

बड़ी गिरावट के बाद संभला बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी ने की दमदार शुरूआत

नई दिल्ली। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन भारतीय शेयर बाजार ने एक मजबूत शुरूआत की। सुबह 9:28 बजे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों प्रमुख सूचकांकों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। यह शुरूआती तेजी निवेशकों के बीच सकारात्मक धारणा को दशार्ती है। सेंसेक्स, जो बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का प्रमुख सूचकांक है, 71,997.37 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। इसमें 404.13 अंकों की वृद्धि दर्ज की गई, जो 0.56 फीसदी का उछाल है। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का बेंचमार्क सूचकांक निफ्टी ने भी 22,363.55 पर कारोबार शुरू किया। इसमें 131.75 अंकों की बढ़त रही, जो 0.59 फीसदी की वृद्धि है।

कल जिस शेयर बाजार में चौतरफा हाहाकार मचा था और निवेशकों के करीब 10 लाख करोड़ रुपये स्वाहा हो गए थे, उसी बाजार ने आज (9 अक्तूबर 2026) सुबह एक नया मोड़ ले लिया है। दलाल स्ट्रीट पर आज सुबह से ही 'बुल्स' (तेजी लाने वाले) ने वापसी की कोशिश की है। पिछले सत्र में ऐतिहासिक गिरावट के साथ सेंसेक्स 32 महीने और निफ्टी 18 महीने के निचले स्तर पर पहुंच गया था, जिसके बाद आज एक तकनीकी बाउंस-बैक देखने को मिल रहा है। लेकिन सवाल यह है कि क्या यह हरियाली टिक पाएगी या वैश्विक दबाव इसे फिर से लाल निशान में धकेल देगा? आइए आसान भाषा में समझते हैं।

कल की भयंकर गिरावट के बाद आज सुबह भारतीय शेयर बाजार बढ़त के साथ खुले। शुरूआती कारोबार में बीएसई

सेंसेक्स करीब 338 अंक उछलकर 71,930 के स्तर पर कारोबार करता दिखा, वहीं एनएसई निफ्टी 50 भी करीब 91 अंक चढ़कर 22,323 के पार निकल गया। बाजार में यह बढ़त मुख्य रूप से 'शॉर्ट कवरिंग' यानी कल की भारी बिकवाली के बाद कम कीमतों पर हुई खरीदारी की वजह से आई है। आसान शब्दों में कहें तो जब बाजार बहुत ज्यादा गिर जाता है, तो कुछ समय के लिए उसमें एक प्राकृतिक सुधार या रिकवरी आती है, आज भी ठीक वैसा ही हो रहा है।

बाजार में अचानक यह सुधार क्यों आया?

इस मामूली रिकवरी की सबसे बड़ी वजह यह है कि कल की गिरावट के बाद भारतीय बाजार 'ओवरसोल्ड जोन' यानी जरूरत से ज्यादा बिकवाली के दायरे में आ गए थे। जब शेयर बहुत ज्यादा सस्ते हो जाते हैं, तो घरेलू संस्थागत निवेशक (डीआईआई) और ट्रेडर खरीदारी का मौका ढूंढने लगते हैं। इसके अलावा, कच्चे तेल की कीमतों में कल के मुकाबले हल्की नरमी आने से भी घरेलू बाजार को थोड़ा सहारा मिला है। बाजार भले ही आज हरे निशान में तैर रहा है, लेकिन इसका आगे का रास्ता कांटों भरा है। इसके पीछे तीन बड़े कारण हैं:

कच्चा तेल और मिडिल ईस्ट का तनावः वैश्विक बाजार में ब्रेंट क्रूड अभी भी 104 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बना हुआ है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण तेल की आपूर्ति प्रभावित होने का डर है। भारत अपनी जरूरत का 80% से ज्यादा तेल आयात करता है, इसलिए महंगा तेल हमारी अर्थव्यवस्था और बाजार के लिए सबसे बड़ा विलेन है।

विदेशी निवेशकों (एफआईआई) की अंधाधुंध बिकवालीः विदेशी फंड्स लगातार भारतीय बाजार से अपना पैसा निकाल रहे हैं। कल (गुरुवार) ही विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने 12,944 करोड़ रुपये से ज्यादा के शेयर बेचे, जो हाल के दिनों में एक दिन की सबसे बड़ी बिकवाली है।

आईटी सेक्टर पर दोहरा झटकाः भारत की सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर कंपनी टीसीएस (टीसीएस) के तिमाही नतीजे उम्मीद से कमजोर रहे हैं, जिससे इस सेक्टर में चिंता है। इसके अलावा, अमेरिका द्वारा ग्रीन कार्ड से जुड़े एक प्रमुख लेबर प्रोग्राम को सस्पेंड करने की खबरों से इंफोसिस, विप्रो और टीसीएएस जैसी आईटी कंपनियों पर दबाव बढ़ गया है।

आम निवेशकों को अब क्या रणनीति अपनानी चाहिए? बाजार के जानकारों का मानना है कि आज की यह तेजी एक 'तकनीकी उछाल' है, इसे एक स्थाई सुधार नहीं माना जा सकता। जब तक वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें शांत नहीं होतीं और विदेशी निवेशकों की बिकवाली नहीं रुकती, तब तक बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रहेगा। ऐसे में छोटे निवेशकों को जल्दबाजी में बड़ा पैसा लगाने से बचना चाहिए। अभी चुनिंदा और मजबूत फंडामेंटल वाले शेयरों पर ही नजर रखना सबसे समझदारी भरा कदम होगा।

टीसीएस का मुनाफा 15% बढ़ाः दूसरी तिमाही के नतीजे बेहतर, 12 रुपये लाभांश; निवेशकों को क्या मिलेगा?

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी सेवा कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेस (टीसीएस) ने बाजार अनुमानों को पीछे छोड़ते हुए वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही के बेहतर नतीजे जारी किए हैं। वार्षिक आधार पर दूसरी तिमाही का शुद्ध लाभ 15% बढ़कर 13,884 करोड़ रुपये रहा। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी ने 12,075 करोड़ और अप्रैल-जून 2026 तिमाही में 13,349 करोड़ का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। तिमाही आधार पर शुद्ध लाभ में 4% की वृद्धि आई है।

जुलाई-सितंबर अवधि में कंपनी की परिचालन आय 11.22% बढ़कर 73,188 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले की समान अवधि में 65,799 करोड़ रुपये थी। कंपनी के सबसे बड़े बाजार उत्तरी अमेरिका में स्थिर मुद्रा आधार पर राजस्व 1.5 फीसदी बढ़ा, जबकि भारत छह फीसदी की वृद्धि के साथ सबसे तेजी से बढ़ने वाला क्षेत्र रहा। कंपनी का एआई राजस्व जुलाई-सितंबर तिमाही में बढ़कर 3.1 अरब डॉलर हो गया जो अप्रैल-जून में 2.6 अरब डॉलर था। कंपनी एक रुपये अंकित मूल्य वाले प्रत्येक इक्विटी शेयर पर 12 रुपये के दूसरे अंतरिम लाभांश की घोषणा की है।

4 हजार से ज्यादा नए कर्मचारी जुड़े...

टीसीएस ने पिछले तीन महीनों में शुद्ध आधार पर 4,258 कर्मचारियों को जोड़ा। इसके साथ 30 सितंबर तक कंपनी के कुल कर्मचारियों की संख्या बढ़कर 5,98,056 हो गई। आईटी सेवा कारोबार में कर्मचारियों के कंपनी छोड़ने की दर 13.3% पर स्थिर रही। कंपनी के मुख्य एचआर सुदीप कुन्नुमल ने कहा, हम कर्मचारियों के कौशल को बढ़ाकर उन्हें भविष्य के लिए तैयार कर रहे हैं।

सीईए नागेश्वरन बोले- ताकत बनेगा एआई केंद्रित निवेश; यूएस में मुंबई की दो कंपनियों पर प्रतिबंध

नई दिल्ली। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने कहा कि शेयर बाजार में एआई पर केंद्रित निवेश अवसरों का अभाव एक साल में भारत की ताकत बन सकता है। जो विदेशी निवेशक आज बिकवाली कर रहे हैं वे देश की अन्य मजबूत आर्थिक बुनियाद पर दांव लगाने के लिए वापस आ सकते हैं। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया के संघर्ष ने विदेशी पूंजी प्रवाह और रुपये पर दबाव डाला है, लेकिन यदि वैश्विक एआई बूम में गिरावट आती है, तो भारत निवेशकों के लिए सुरक्षित विकल्प सिद्ध होगा।

अमेरिका ने ईरान से पेट्रोलियम और पेट्रोकेमिकल उत्पादों के कथित अवैध व्यापार में संलिप्तता के आरोप में मुंबई स्थित दो कंपनियों और उनसे जुड़े पांच भारतीय नागरिकों पर आर्थिक प्रतिबंध लगाए हैं। अमेरिकी विदेश विभाग ने यह कार्रवाई की है। विदेश विभाग ने एसएसपीएल सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड और समुद्र मरीन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड पर प्रतिबंध लगाया है। अमेरिका का आरोप है कि इन फर्मों ने ईरानी पेट्रोलियम उत्पादों के आयात से तेहरान को लाखों डॉलर की वित्तीय मदद पहुंचाई। प्रतिबंधों के तहत एसएसपीएल सॉल्यूशंस से जुड़े ध्वनि और निसर्ग वोरा तथा समुद्र मरीन से संबंधित केतन कोचीकर, भूपेंद्र सिंह साहू और हरिश्याम हरिहरन चुंदकट्टिल के किसी भी प्रकार के लेनदेन पर रोक लगा दी गई है। हालांकि, समुद्र मरीन को अपना मौजूदा कारोबार समेटने के लिए 23 अक्तूबर तक की मोहलत दी गई है। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने ईरानी तेल के अवैध नेटवर्क से जुड़े 17 अन्य जहाजों व संस्थाओं पर भी शिकंजा कसा है।

प्रवर्तन निदेशालय ने (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग की जांच के तहत केरल में तीन

कोऑपरेटिव बैंकों से जुड़ी 17 जगहों पर छापा मारा। इस दौरान एजेंसी ने दस्तावेज और डिजिटल डिवाइस जब्त किए। साथ ही दो करोड़ रुपये से अधिक की फिक्स्ड डिपॉजिट फ्रीज किए। यह कार्रवाई कोऑपरेटिव बैंक में धोखाधड़ी की जांच का हिस्सा है। इसमें अपराध से हुई करीब 550 करोड़ की कमाई शामिल है। प्राइम वीडियो के आगामी रियलिटी शो द ट्रेटर्स तेलुगु के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर अमेजन ने अपने डिलीवरी कर्मचारियों को सितारों से सजी सरप्राइज दी। हैदराबाद में 6 अक्तूबर को ट्रेलर लॉन्च में लोकप्रिय तेलुगु अभिनेता तेजा सज्जा ने अमेजन के पांच डिलीवरी कर्मचारियों से मिलकर उन्हें आगामी शो को लेकर चल रहे उत्साह की झलक दिखाई। सज्जा इस शो के होस्ट हैं। यह मुलाकात डिलीवरी एसोसिएट्स के लिए एक विशेष सम्मान समारोह के रूप में आयोजित की गई थी। यह पल सोशल मीडिया पर तस्वीरों, वीडियो और पर्दे के पीछे की सामग्री के माध्यम से भी खूब वायरल हुआ। द ट्रेटर्स तेलुगु 15 अक्तूबर से प्राइम वीडियो पर जारी होगा। हिंदी संस्करण की सफलता के बाद अब इसे तेलुगु दर्शकों के लिए लाया जा रहा है। अभिनेता से मिलकर अमेजन के डिलीवरी बॉय कुंतल शिवा और दिनेश यादव ने अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि अपने पसंदीदा अभिनेता से आमने-सामने मिलना और इस शो के जश्न का हिस्सा बनना उनके लिए कभी न भूलने वाला पल है।

घर खरीदारों के लिए एक अच्छी खबर सामने आई है। सरकारी कंपनी एनबीसीसी ने सुपरटेक कंपनी के उन 16 हाउसिंग प्रोजेक्ट्स के लिए 9,600 करोड़ रुपये से ज्यादा के टेंडर (निविदाएं) जारी कर दिए हैं, जो लंबे समय से अटके पड़े थे। इस कदम से यह साफ हो गया है कि अब प्रोजेक्ट्स सिर्फ कागजों पर नहीं बल्कि जमीन पर तेजी से पूरे किए जाएंगे। इससे उन हजारों लोगों में फिर से उम्मीद जाग गई है जो कई साल से अपने घर मिलने का इंतजार कर रहे थे। एनबीसीसी के इस फैसले से उत्तर प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड और कर्नाटक में चल रहे सुपरटेक के अटके हुए प्रोजेक्ट्स का काम शुरू होगा।

फसल किसे कहते हैं भारत में फसल कितने प्रकार की होती है

‘भारत में प्राचीनकाल से ही कृषि कार्य किया जा रहा है, जिसके कारण भारत को एक कृषि प्रधान देश कहा जाता है। यहाँ तक कि भारत की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनानें में कृषि का अहम् अहम योगदान रहा है। भारत में कृषि की शुरुआत कब और कैसे हुई, इसकी प्रमाणिक पुष्टि करना काफी कठिन है। हालाँकि भारत में कृषि लोगो के लिए जीविका का साधन ही नहीं बल्कि सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर भी है। यदि हम वर्तमान समय की बात करे तो आज भी लाखों लोग कृषि कार्यों के माध्यम से आपनी जीविका चला रहे है। आज हम यहाँ भारत में उगायी जानें वाली फसलों के बारें में चर्चा करेंगे, तो आईये जानते है, कि फसल क्या होती है, भारत में फसलों के प्रकार और फसल चक्र के बारें में पूरी जानकारी।’

फसल क्या होती है

हम सभी जानते है, कि पृथ्वी पर किसी भी जीव को जीवित रहनें के लिए आवश्यक आवश्यकताओं के अंतर्गत भोजन की आवश्यकता होती है। हालाँकि प्राचीन काल में मानव को कृषि के बारें में कोई जानकारी नहीं थी और वह आपनी खाद्य आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए स्वयं से उगी हुई वनस्पतियों एवं पेड़ ङ्क पौधों से भोजन प्राप्त करता था। धीरे-धीरे जनसँख्या में वृद्धि होनें लगी और मानव सभ्यता का विकास हुआ। मनुष्य नें आपनी खाद्य आवश्यकताओं को पूरा करनें के लिए कृषि कार्य करना प्रारंभ कर दिया।

समय के साथ-साथ मानव का मानसिक विकास हुआ और जनसंख्या में वृद्धि होनें लगी। जिसके कारण मनुष्य की भोजन सम्बन्धी आवश्यकतायें बढ़नें लगी और अपनी इस आवश्यकता की पूर्ति के लिए मानव नें एक निश्चित समयबद्ध कार्यक्रम के अनुसार विभिन्न प्रकार की फसलों को उगानें पर ध्यान केन्द्रित किया। मनुष्य अपनें भोजन की आवश्यकता को पूर करनें के लिए एक योजना के अनुसार जिन पेड़ पौधों का उत्पादन करता है, उसे फसल कहते है। दूसरे शब्दों में एक बड़े क्षेत्रफल में पौधों का वह समूह जो भोजन की पूर्ति के साथ ही आर्थिक लाभ की दृष्टि से उगाया जाता है, फसल कहलाता है।

भारत में फसलों के प्रकार

भारत में मौसम के आधार पर 3 प्रकार की खेती की जाती है, जो इस प्रकार है।

1.खरीफ की फसल

देश में खरीफ की फसल को मानसून के मौसम अर्थात जून और जुलाई के महीने में उगाई जाती है, इन फसलों को वर्षा ऋतु की फसलें भी कहते है। खरीफ के मौसम में उगाई जाने वाली फसलों के लिए बुवाई के समय हवा में नमी के साथ ही सामान्य तापमान की आवश्यकता होती है, जबकि फसल को अच्छी तरह से पकनें के लिए तापमान में गर्मी अर्थात अधिक धूप की जरुरत होती है।

खरीफ की फसलों में धान, मक्का, बाजरा, मूंगफली, उड़द, मूंग, मूंगफली, जूट आदि फसलें शामिल है।

2.रबी की फसल

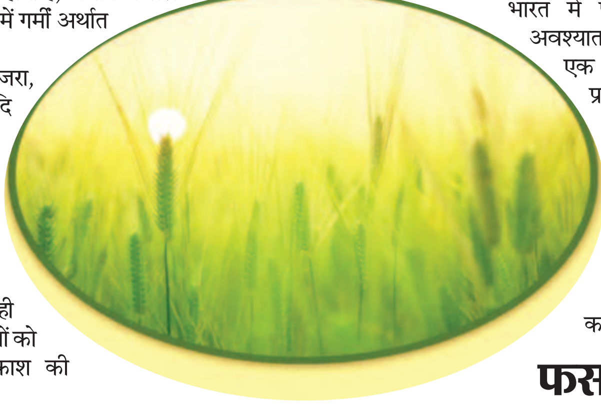

रबी की फसलों को मुख्य रूप से सर्दियों के मौसम अर्थात अक्टूबर ङ्क नवम्बर में उगाया जाता है। रबी की फसलों को उगानें के लिए कम तापमान के साथ ही कम पानी की जरुरत होती है, जबकि फसलों को पकनें के लिए अधिक गर्मी और प्रकाश की आवश्यकता होती है।

मुख्य रूप से रबी की फसलों को अक्टूबर महीनें के बाद ही बोया जाता है। मसूर, सरसो, चना, मटर, सरसों, जौ, आलू, तम्बाकू, गन्ना, चुकन्दर आदि फसलें रबी की फसलें होती है।

3.जायद की फसल

खरीफ की फसल और रबी की फसल के बीच में बचनें वाले समय के दौरान जिन फसलों का उत्पादन किया जाता है, उन्हें जायद की फसलें कहते है। दरअसल इस मौसम में बोयी जानें वाली फसलों को पकनें में बहुत ही कम समय लगता है।

जायद की फसलों का उतपादन मुख्य रूप से मार्च से जून माह के बीच में किया जाता है। इसमें ककड़ी, खीरा, तरबूज, तरोई, खरबूजा और टमाटर आदि जैसी फसलें शामिल है।

फसलों का वर्गीकरण

भारत में फसलों का उत्पादन मौसम, आवश्यकता और आर्थिक महत्व, वानस्पतिक समानताओं और जीवन चक्र के आधार पर किया जाता है, इसके अनुसार फसलों को वर्गीकृत किया गया है, जो इस प्रकार है-

मौसम या ऋतुओं के आधार पर

उपयोग एवं आर्थिक महत्व के आधार पर
जीवन चक्र के आधार पर फसलों का वर्गीकरण
फसलों का वनस्पतिक वर्गीकरण
विशेष उपयोग के आधार पर फसलों का वर्गीकरण

फसलों का सस्य वैज्ञानिक वर्गीकरण

7. औद्योगिक महत्व के आधार पर फसलों का वर्गीकरण
औद्योगिक महत्व के आधार पर फसलों का वर्गीकरण इस प्रकार है-
सब्जी उद्योग
औषधि उद्योग
फल एवं फूल उद्योग
रंग व सुगन्ध उद्योग
जूट व पैकिंग उद्योग
काफी या कहवा उद्योग
आटा मिल
शीतल पेय उद्योग
रसायन और तेल उद्योग
सौन्दर्य प्रसाधन उद्योग
चीनी उद्योग
हथकरघा उद्योग
अल्पकालीन फसली ऋण योजना

फसल चक्र क्या होता है

भारत में फसलों का उत्पादन मौसम और अवश्याताओं के अनुसार किया जाता है। किसी एक निर्धारित क्षेत्र और समय में अनेक प्रकार के फसलों का उत्पादन करनें की प्रक्रिया को फसल चक्र कहते हैं। आपको बता दें कि फसल चक्र को सस्य चक्र, सस्य आवर्तन के नाम से भी जाना जाता है। दूसरे शब्दों में किसी भूमि में एक निश्चित समय में फसलों बदल-बदल कर बोना या उनका उत्पादन करना फसल चक्र कहलाता है।

फसल चक्र का महत्व

भूमि में एक ही फसल का निरंरत उत्पादन करनें से खेत की उत्पादन क्षमता घट जाती है, अर्थात उस फसल की पैदावार कम हो जाती है। इसके साथ ही भूमि में विभिन्न प्रकार के विषैले गुण उत्पन्न हो जाते है। दरअसल भूमि की भौतिक और जैविक स्थिति में संतुलन बनाए रखनें के लिए फसल चक्र के अनुसार फसलों का उत्पादन करना ही लाभकारी होता है। क्रॉप रोटेशन का उपयोग कर आप उच्च गुणवत्ता के साथ ही अधिक मात्रा में उत्पादन ले सकते है। इससे खेत की उत्पादन और उर्वरक क्षमता संतुलित बनी रहती है।

फसल चक्र से लाभ

फसल चक्र को अपना कर मिट्टी की रासायनिक, भौतिक और जैविक गुणों को बेहतर किया जा सकता है।

फसल चक्र के अनुसार खेती करने से भूमि में कार्बनिक पदार्थों की मात्रा बढ़ जाती है।

खेत की उर्वरक क्षमता बढ़ानें में फसल चक्र का बहुत ही अहम् योगदान होता है।

सघन फसल चक्र अपनाने से खेत में जीवांश की मात्रा बढ़नें के साथ ही खरपतवार की समस्या कम होती है।

कृषि योग्य भूमि में जल को सोखनें की क्षमता बढ़ जाती है, जिससे खेत की मिट्टी में विषाक्त पदार्थ एकत्र नहीं होते है।

फसल चक्र प्रक्रिया अपनानें से मिट्टी में पनपने वाले विभिन्न प्रकार के रोग एवं कीटों पर नियंत्रण होता है।

क्राप रोटेशन का सबसे बड़ा लाभ यह है, इससे मिट्टी की संरचना में सुधार होता है।

खेत में अधिक सिंचाई नहीं करनी पड़ती है।

औद्योगिक महत्व के आधार पर

1.मौसम या ऋतुओं के आधार पर फसलों का वर्गीकरण

भारत में मौसम के आधार पर उत्पादित की जानें वाली फसलों को 3 वर्गों में बांटा गया है, जो इस प्रकार है-

क्र0स0	फसल का नाम
1.	खरीफ की फसलें
2.	रबी की फसलें
3.	जायद की फसलें

2. उपयोग एवं आर्थिक महत्व के आधार पर

उपयोग एवं आर्थिक महत्व के आधार पर उगायी जानें वाली फसलों को इस प्रकार विभाजित किया गया है-

क्र0स0	फसल का नाम
1.	अनाज की फसलें
2.	दलहनी फसलें
3.	तिलहनी फसलें
4.	फलदार फसलें
5.	रेशे की फसलें
6.	मिर्च एवं मसाले वाली फसलें
7.	औषधीय फसलें
8.	चारे की फसले
9.	शाकथाजी की फसलें
10.	स्टार्च वाली फसलें
11.	शर्करा की फसलें
12.	उत्तेजक फसलें
13.	छोटे दाने वाली फसलें
14.	जड़ तथा कन्द वाली फसलें
15.	पेय पदार्थ वाली फसलें

3. जीवन चक्र के आधार पर फसलों का वर्गीकरण

वर्तमान समय में अवधि के अनुसार उगनें वाली फसलों की अनेक जातियाँ विकसित हो चुकी हैं। इसमें से कुछ फसलों का जीवनकाल कम समय का होता है, जबकि कुछ फसलों के पौधों की जीवनकाल अवधि लम्बी होती है। पौधों के जीवन काल में लगने वाली इस अवधि के आधार पर ही फसलों को विभिन्न वर्गों में विभाजित किया गया है, जो इस प्रकार है-

क्र0स0	फसल का नाम
1.	एकवर्षीय फसलें
2.	द्विवर्षीय फसलें
3.	बहुवर्षीय फसलें

5.विशेष उपयोग के आधार पर फसलों का वर्गीकरण

फसलों को उनके विशेष उपयोग के आधार पर इस प्रकार वर्गीकृत किया गया है-

क्र0स0	फसल का नाम
1.	नकदी फसलें
2.	अन्तर्वर्ती फसलें
3.	सहयोगी फसलें
4.	वीथी फसलें
5.	शिकारी फसलें
6.	बम्पर क्राप तथा क्राप फेलयोर
7.	रिले क्रापिंग

6. फसलों का सस्य वैज्ञानिक वर्गीकरण

किसी भी फसल के अच्छे उत्पादन के लिए उसकी बुवाई से लेकर कटाई तक खेत में विभिन्न सस्य क्रियाएं की जाती है। इन क्रियाओं को निर्धारित करने वाले प्रमुख सिद्धांत इस प्रकार है-

1. फसल का चुनाव
2. भूमि का चुनाव
3. मौसम विज्ञान
4. उपयुक्त फसल चक्र
5. मिलवा खेती
6. सिंचाई प्रबंध
7. कृषि श्रमिकों की उपलब्धता
8. कृषि संसाधनों का प्रबंध

4.फसलों का वानस्पतिक वर्गीकरण

वानस्पतिक वर्गीकरण के आधार पर फसलों को सामान्यत: परिवारों के अन्तर्गत विभाजित किया जाता है, जो इस प्रकार है-

क्र0	परिवार	फसलों के नाम
1.	घास परिवार	धान, मक्का, ज्वार, बाजरा, गेहूँ, जौ, गन्ना
2.	मटर परिवार	अरहर, उड़द, मूंग, सोयाबीन, सनई, लैंचा, ग्वार, मूंगफली, मटर, चना, मसूर
3.	सरसों परिवार	सरसों, तोरिया, तारामिरा, बन्दगोभी, फूलगोभी, गाँठगोभी, मूली, शलजम
4.	कपास परिवार	कपास, पटसन व भिण्डी आदि
5.	आलू परिवार	आलू, टमाटर, हरी मिर्च व तम्बाकू
6.	अलसी परिवार	अलसी
7.	कद्दू परिवार	पेठा, खीरा, करेला, खरबूजा व तरबूज आदि
8.	जूट परिवार	जूट
9.	अण्डी परिवार	अण्डी

स्वामी, प्रकाशक : अली आदिल खान द्वारा साईं प्रिंटिंग प्रेस डी-85, सेक्टर-8, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर 201301 से मुद्रित और एच-41ए, अबुल फजल एन्क्लेव, जामिया नगर, दक्षिण पूर्व दिल्ली-110025 से प्रकाशित। संपादक : अली आदिल खान
RNI No : DELMUL/2012/47011 | Email :timesofpedia@gmail.com | समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार तथा समस्त विवाद दिल्ली न्यायलय के अधीन होंगे।